UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत वेब न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-234 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) गुरूवार 06 अगस्त 2026 youngbharatE-paper.com

सीएम योगी के 5 बड़े फैसले, यूपीवासियों के लिए नई खुशखबरी

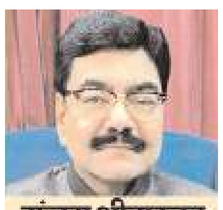

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के पहले अनुपूरक बजट के साथ कई ऐसी घोषणाएं की हैं, जिनका सीधा असर आम जनता के जीवन पर पड़ सकता है। इस बजट में केवल अतिरिक्त धनराशि का प्रावधान ही नहीं किया गया है, बल्कि सामाजिक कल्याण, रोजगार, श्रमिक सुरक्षा, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और पारदर्शी प्रशासन पर भी विशेष जोर दिया गया है।

सरकार का दावा है कि इन फैसलों से प्रदेश के विकास को नई गति मिलेगी और अलग-अलग वर्गों को सीधा लाभ मिलेगा। सरकार ने 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिए रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा की योजना शुरू करने का फैसला किया है। इस पहल का उद्देश्य बुजुर्ग महिलाओं को आर्थिक राहत देने के साथ-साथ उन्हें अधिक स्वतंत्र और सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराना है। सरकार श्रमिकों के वेतन नियमों में बदलाव की तैयारी कर रही है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद प्रत्येक पात्र कर्मचारी को तय न्यूनतम मजदूरी का अधिकार मिलेगा। साथ ही समान काम करने वाले कर्मचारियों को समान वेतन देने के सिद्धांत को भी मजबूती मिलेगी। ओवरटाइम करने वाले कर्मचारियों को पहले से अधिक भुगतान मिलने की संभावना है। इसके अलावा वेतन संरचना में बदलाव से कर्मचारियों के भविष्य निधि, ग्रेच्युटी और अन्य सेवा लाभों पर भी सकारात्मक असर पड़ सकता है। प्रदेश में भर्ती परीक्षाओं को पूरी तरह सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग बढ़ाया जाएगा। परीक्षा प्रक्रिया को डिजिटल रूप से अधिक मजबूत करने और गोपनीयता बनाए रखने के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। इस कदम से लाखों अभ्यर्थियों को निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली मिलने की उम्मीद है और पेपर लीक जैसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने में मदद मिल सकती है। प्रदेश के प्रमुख एक्सप्रेसवे से जुड़े इलाकों को औद्योगिक हब के रूप में विकसित करने की दिशा में सरकार ने एक और कदम बढ़ाया है। इन क्षेत्रों में सड़क, बिजली, जल निकासी और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा ताकि उद्योगों को बेहतर माहौल मिल सके। यदि योजनाएं तय समय पर पूरी होती हैं तो आसपास के जिलों में निवेश बढ़ने के साथ स्थानीय कारोबार को भी नई मजबूती मिल सकती है। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। सरकार ने प्रयागराज-चित्रकूट क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण का दायरा बढ़ाकर आठ जिलों तक करने का निर्णय लिया है। इससे इन क्षेत्रों में सड़क, औद्योगिक परियोजनाओं, आवास, शिक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास की योजनाओं को गति मिलने की संभावना है।

पीडीए के पीडी का मतलब 'पीड़ित पंडित'; कृष्ण-सुदामा का जिक्र कर अखिलेश ने भाजपा को घेरा, दिया बड़ा संदेश

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव पूरी तरह से चुनावी मोड में आ गए हैं। यूपी चुनाव 2027 को लेकर वे अभी से ही तमाम समीकरणों को साधने में जुटे हैं। इस क्रम में उन्होंने पीडीए राजनीति पर बड़ा दावा कर दिया है। उन्होंने कृष्ण और सुदामा की दोस्ती का जिक्र करते हुए ब्राह्मण समाज के प्रति मन में हमेशा सम्मान का भाव देने की बात कही। अखिलेश यादव ने अब पीडीए के पी का मतलब पीड़ित पंडित बताया है। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले अखिलेश यादव ने पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक को साधते हुए पीडीए पॉलिटिक्स को धार दी थी। लोकसभा चुनाव में उन्हें भाजपा को इस राजनीति से बैकफुट पर धकेलने में कामयाबी मिली। अब पीडीए पॉलिटिक्स में वे पिछड़ा के साथ-साथ पंडित समाज को जोड़ते दिख रहे हैं।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर हमलावर रुख अपनाते हुए कहा कि जो लोग पीडीए की बात करते हैं और इसकी नई-नई परिभाषा बनाते हैं, वे लोग पीडीए का असली अर्थ नहीं जानते। दूसरी-दूसरी परिभाषा बनाने वाले लोग जान लें कि पीडीए में पीडी जो है, वह पंडित का शॉर्ट फॉर्म है। अखिलेश यादव ने कहा कि आप जितनी पीड़ा दोगे, उतना ही पीडीए और मजबूत दिखाई देगा। अखिलेश यादव इस बयान के जरिए प्रदेश के ब्राह्मण वोट बैंक को साधते दिखे हैं। जनेश्वर मिश्र की जयंती के मौके पर अखिलेश यादव ने ब्राह्मण समाज को साधने की कोशिश की। इस दौरान उन्होंने भगवान कृष्ण और सुदामा की दोस्ती का जिक्र किया। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान कहा कि भगवान कृष्ण और सुदामा की दोस्ती आज की नहीं है। यह हजारों-हजार साल पुरानी है। आज भी जब देश-दुनिया में दोस्ती का जिक्र होता है तो कृष्ण-सुदामा का जिक्र जरूर किया जाता है। सपा अध्यक्ष ने ब्राह्मण समाज को साधते हुए समाजवादी पार्टी में ब्राह्मणों की अहमियत और सम्मान का जिक्र किया। अखिलेश ने कहा कि दोस्ती हम लोग ऐसे भी करते हैं, किसी की परवाह नहीं करते। जिन्होंने महाभारत पढ़ी होगी, उन्हें जानकारी होगी। समाजवादी पार्टी ने कृष्ण-सुदामा की दोस्ती को आधार बनाते हुए ब्राह्मण समाज को हमेशा सम्मान दिया है अखिलेश यादव की नजर प्रदेश के ब्राह्मण वोट बैंक पर है। ब्राह्मणों की सरकार से कथित नाराजगी का मुद्दा एक बार समाजवादी पार्टी और विपक्षी दल छेड़ते दिख रहे हैं। पिछले दिनों संसद भवन परिसर में पप्पू यादव के राम मंदिर दान चोरी ड्रामा मामले में बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी सांसदों का नाम सामने आया। पहले प्रो. रामगोपाल यादव पप्पू यादव के नाटक को अनुचित करार देते नजर आए। राम मंदिर चोरी मामले में साधु-संतों का नाम न आने की बात कही। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव अब इस मामले से इतर भगवान कृष्ण और सुदामा का जिक्र कर सपा और ब्राह्मणों की दोस्ती की बात करते दिख रहे हैं।

'लगता है बहुत मेहनत कर रहे हो', ऐसे इनपुट्स के बाद दतिया में बीजेपी का 'सर्जिकल स्ट्राइक', 1000 नेताओं से पद छीना

(यंग भारत न्यूज)

रिव्यू मीटिंग के चंद घंटों बाद दतिया में बीजेपी ने सर्जिकल स्ट्राइक किया है। अलग-अलग मोर्चों और संगठन के एक हजार लोगों का पार्टी ने दतिया में पद छीन लिया है। पूरी कार्यकारिणी और मोर्चा को भंग कर दिया गया है।

यह कार्रवाई सीएम हाउस में समीक्षा के बाद हुई है। सीएम और प्रदेश अध्यक्ष ने दतिया उपचुनाव में कार्य कर रहे बड़े नेताओं से फीडबैक लिए थे, जो सही नहीं थे। दरअसल, हार के बीजेपी ने एक दो सदस्यीय कमिटी बनाई थी। इस कमिटी में गौरव रणदिवेऔर आंबाराम कराड़ा को रखा गया था। दतिया उपचुनाव में काम करने लोगों से इन नेताओं ने बात की। नेताओं से जो इनपुट दिए हैं, वे चौंकाने वाले हैं। कमिटी ने अपनी रिपोर्ट दिल्ली भेज दी है। एक अखबार की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि आपूर्ति निगम के अध्यक्ष विनोद गोटिया ने कमिटी को बताया कि कार्यालय आने के बाद पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा कार्यकर्ताओं से मिलते थे। मिलने के बाद उन्हें कहते थे कि लगता है बहुत मेहनत कर रहे हो दतिया उपचुनाव में प्रचार के दौरान गए नेताओं ने कमिटी के सामने अपनी बात रखी है। एक अखबार के अनुसार मंत्री उदय प्रताप सिंह ने

कहा कि दतिया नगर मंडल के उद्घाटन में जब पार्टी प्रत्याशी आशुतोष तिवारी पहुंचे तो नरोत्तम मिश्रा वहां मौजूद भीड़ को अपने साथ लेकर चले गए। दतिया में अधिकांश पार्षदों ने बीजेपी को सपोर्ट नहीं किया है। वहीं, कुशवाहा समाज ने भी साथ दिया है। हालांकि इस बात को भरत सिंह कुशवाहा खारिज करते रहे। उन्हें ही दतिया उपचुनाव का प्रभार दिया गया था। वहीं, मीटिंग के दौरान अप्रत्यक्ष रूप से दतिया में हार का ठीकरा पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा पर ही फोड़ा गया है। हालांकि पार्टी ने उनके खिलाफ सीधे कोई एक्शन नहीं लिया है। दतिया के परिणाम के बाद नरोत्तम मिश्रा ने भी चुप्पी साध ली है और मीडिया से दूरी बना ली है। कहा जा रहा है कि शुरुआत में उनके लोग तो दतिया में काम करते रहे लेकिन बाद में बीजेपी प्रत्याशी के खिलाफ काम करने लगे। दरअसल, रिव्यू मीटिंग में यह बात सामने आई है, दतिया जिला संगठन के लोग ही पार्टी के खिलाफ काम करने लगे थे। बताया जाता है कि ये नरोत्तम मिश्रा के समर्थक थे। टिकट कटने के बाद भी इनलोगों ने ट्रेलर दिखाए और उनके समर्थन में इस्तीफा देने की बात कही थी। फीडबैक में मिलने के बाद बीजेपी ने दतिया में सर्जिकल स्ट्राइक किया है। पहली बार मध्य प्रदेश में इतनी बड़ी कार्रवाई की गई है। दतिया में बीजेपी की पूरी जिला कार्यकारिणी भंग कर दी गई है। इसमें सारे मोर्चे और प्रकोष्ठ शामिल हैं। करीब एक हजार लोगों के पद छीन लिए गए हैं। अब नए सिरे से वहां कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा।

सरकार और किसानों को एक साथ चूना लगाने वाले महा भृष्ट की श्रेणी में शुमार लघु सिंचाई विभाग से बुरी तरह तंग किसान की आपबीती

लघु सिंचाई विभाग की ढेरों शिकायतों के बाबजूद नही हुआ कोई सुधार

- अभियंताओं के खाऊ कमाऊ रवैये से प्राइवेट बोरिंग से भी महंगी पड़ रही है लघु सिंचाई की बोरिंग
- किसान से 1.27 लाख रुपये जमा कराने के बाद भी नहीं दी सर्वे रिपोर्ट व हस्ताक्षरित एस्टीमेट, डीएम से उच्चस्तरीय जांच की मांग

(प्रधान सम्पादक)

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जनपद जालौन का लघु सिंचाई विभाग एक बार फिर भ्रष्टाचार के आरोपों के घेरे में है। विभाग के अभियंताओं पर किसानों के साथ धोखाधड़ी, मानक एवं गुणवत्ता के विपरीत बोरिंग कार्य कराने तथा शासकीय एवं कृषक अंश की धनराशि में अनियमितता बरतने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मामले को लेकर एक किसान ने जिलाधिकारी को विस्तृत शिकायती पत्र सौंपकर उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है।

शिकायतकर्ता सुनील कुमार पुत्र राम लखन ने आरोप लगाया है कि उन्होंने लघु सिंचाई विभाग की हैवी बोरिंग योजना के तहत आवेदन किया था। विभागीय सर्वे में उनकी बोरिंग साइट 75 मीटर स्वीकृत हुई, लेकिन सर्वे रिपोर्ट और एस्टीमेट की प्रति देने के बजाय विभागीय अधिकारी उन्हें लगातार टालते रहे। शिकायत के अनुसार सहायक अभियंता सुरेंद्र सिंह जादौन, अवर अभियंता सुभाष मौर्य तथा पटल सहायक प्रियंका गुप्ता ने लगभग 20 दिनों तक एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालते हुए उन्हें कार्यालयों के चक्कर कटवाए। पीड़ित किसान का कहना है कि जब कहीं सुनवाई नहीं हुई तो उन्होंने अधिशासी अभियंता से शिकायत की। अधिशासी अभियंता ने संबंधित कर्मचारियों को बुलाकर सर्वे रिपोर्ट एवं एस्टीमेट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, लेकिन इसके बावजूद दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए। आरोप है कि बाद में 6 जुलाई 2026 को बिना हस्ताक्षरित एस्टीमेट दिए ही करीब 1.27 लाख रुपये कृषक अंश के रूप में चालान जमा कराने का दबाव बनाया गया। मजबूरी में किसान ने धनराशि जमा कर दी। शिकायत के अनुसार 7 जुलाई को फिर एस्टीमेट मांगा गया तो केवल हस्ताक्षररहित प्रति दिखाई गई। किसान ने उसकी फोटो लेकर अगले दिन अधिशासी अभियंता को दिखाई। शिकायत में दावा किया गया है कि अधिशासी अभियंता ने अवर अभियंता को एस्टीमेट पर हस्ताक्षर करने के निर्देश दिए, लेकिन उन्होंने हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि यह पूरा घटनाक्रम विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। शिकायत में तकनीकी अनियमितताओं का भी उल्लेख किया गया है। किसान का आरोप है कि 75 मीटर बोरिंग के लिए तैयार किए गए एस्टीमेट में ट्रैक्टर संचालन, ग्रेवल की मात्रा, सेंटर गाइड सहित कई मदों में वास्तविक आवश्यकता से अधिक सामग्री और खर्च दर्शाया गया है। उनका कहना है कि इससे किसानों और सरकार दोनों के धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी से मांग की है कि केवल उनके प्रकरण की ही नहीं, बल्कि पूरे जनपद में स्वीकृत बोरिंग कार्यों की तकनीकी एवं वित्तीय जांच किसी स्वतंत्र उच्चस्तरीय समिति से कराई जाए। उनका आरोप है कि यदि निष्पक्ष जांच कराई गई तो विभाग में बड़े स्तर पर वित्तीय

- अधिशासी अभियंता के निर्देश के बावजूद जेई ने एस्टीमेट पर हस्ताक्षर करने से किया इंकार, शिकायत में दावा
- बोरिंग कार्य में अधिक सामग्री व भाड़े में रुपया बहुत बढ़ा कर किसान को लूटने का आरोप
- 20 दिन तक कार्यालयों के चक्कर लगाने के बाद जमा कराया गया कृषक अंश, फिर भी नहीं मिले दस्तावेज
- पूरे जिले की बोरिंग योजनाओं की तकनीकी व वित्तीय जांच कराने की फिर से उठी मांग

अनियमितताओं का खुलासा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि जनपद में लघु सिंचाई विभाग पहले भी विभिन्न शिकायतों और जांचों को लेकर चर्चा में रहा है। ऐसे में इस नई शिकायत ने विभाग की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब निगाहें जिलाधिकारी के निर्णय पर टिकी हैं कि शिकायत की जांच किस स्तर पर कराई जाती है और आरोपों में कितनी सच्चाई सामने आती है।

डेयरी उद्योग में निवेश की अपार संभावनाएं, किसानों को मिलेगा बेहतर मूल्य-डीएम राजेश कुमार पाण्डेय

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जनपद स्तरीय डेयरी कॉन्क्लेव गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में डेयरी उद्यमियों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), मिल्क प्रोड्यूसर कंपनियों (एमपीसी), दुग्ध उत्पादकों, सहकारी संस्थाओं, निजी निवेशकों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को उत्तर प्रदेश दुग्धशाला विकास एवं दुग्ध उत्पाद प्रोत्साहन नीति-2022 के प्रावधानों, अनुदानों एवं निवेश की संभावनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक राज्य है और देश के कुल दुग्ध उत्पादन में प्रदेश का लगभग 16 प्रतिशत योगदान है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में विपणन योग्य अधिशेष दूध का मात्र 10 प्रतिशत ही प्रसंस्कृत हो रहा है, जबकि राष्ट्रीय औसत लगभग 17 प्रतिशत है। ऐसे में दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता बढ़ाना, मूल्य संवर्धित दुग्ध उत्पादों का निर्माण तथा आधुनिक डेयरी उद्योगों

की स्थापना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार की डेयरी नीति का उद्देश्य प्रदेश में डेयरी आधारित उद्योगों को बढ़ावा देना, दुग्ध उत्पादकों को उनके दूध का लाभकारी मूल्य उपलब्ध कराना, दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत तक पहुंचाना तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से डेयरी क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाना है। इसके साथ ही रोजगार सृजन, निर्यात को प्रोत्साहन, कौशल विकास और सूचना प्रौद्योगिकी आधारित व्यवस्था विकसित करने पर भी विशेष बल दिया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि नीति के अंतर्गत एफपीओ, मिल्क प्रोड्यूसर कंपनियां, सहकारी संस्थाएं एवं निजी उद्यमी नई डेयरी एवं दुग्ध प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना, पुरानी इकाइयों के क्षमता विस्तार, पशु आहार निर्माण, पनीर, चीज़, आइसक्रीम जैसे मूल्य संवर्धित उत्पादों के निर्माण, मिल्क चिलिंग सेंटर, कोल्ड चेन, रेफ्रिजरेटेड वाहनों एवं आधुनिक तकनीकों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि डेयरी प्रसंस्करण इकाइयों, पशु आहार निर्माण इकाइयों तथा आधुनिक मशीनरी पर 35 प्रतिशत तक पूंजीगत अनुदान तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों द्वारा स्थापित मूल्य संवर्धित दुग्ध उत्पाद इकाइयों को 50 प्रतिशत तक पूंजीगत अनुदान का प्रावधान है। इसके अलावा निर्यात प्रोत्साहन, गुणवत्ता प्रमाणन, पेटेंट एवं डिज़ाइन पंजीकरण, विद्युत शुल्क, स्टाम्प शुल्क, सौर ऊर्जा संयंत्र तथा अन्य सुविधाओं पर भी शासन द्वारा अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। डीएम ने कहा कि डेयरी क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए दुग्ध उत्पादकों को स्वच्छ दुग्ध उत्पादन, नस्ल सुधार, पशुपालन एवं वैज्ञानिक डेयरी प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही ऑनलाइन पोर्टल एवं प्रोजेक्ट फैसिलिटेशन सेंटर के माध्यम से निवेशकों को सभी विभागों की स्वीकृतियां सरल एवं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद के अधिक से अधिक दुग्ध उत्पादकों, एफपीओ, स्वयं सहायता समूहों, सहकारी समितियों एवं निजी उद्यमियों को इस नीति का लाभ दिलाने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि जालौन में डेयरी उद्योग की व्यापक संभावनाएं हैं और इस नीति के प्रभावी क्रियान्वयन से किसानों को बेहतर मूल्य मिलेगा, स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। गोष्ठी में मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, उप कृषि निदेशक एस.के. उत्तम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, डेयरी उद्यमी, एफपीओ, दुग्ध उत्पादक, सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

अधिवक्ता से अभद्रता के विरोध में बार एसोसिएशन ने की कार्रवाई की मांग

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। डिस्ट्रिक्ट जालौन बार एसोसिएशन अध्यक्ष एवं कलेक्ट्रेट प्रभारी ओमनारायण सिंह के नेतृत्व में दर्जन भर अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन भेंट करते हुए बताया कि एक प्रस्ताव पारित किया गया। प्रस्ताव में बताया गया कि 4 अगस्त 2026 को अधिवक्ता आर.के. सिंह के साथ कथित रूप से हुई अभद्रता की घटना की बार एसोसिएशन ने निंदा की है। बार एसोसिएशन ने घटना को गंभीर बताते हुए संबंधित अधिकारियों से दोषियों के विरुद्ध आवश्यक एवं कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि अधिवक्ताओं के सम्मान और सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

रविदास जयंती पर निकाली गयी भव्य कलश बंधन शोभायात्रा

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती पर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने नगर में भव्य कलश बंधन शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा में सिर पर कलश धारण कर कार्यकर्ता बैंडबाजों की धुन पर नगर में भ्रमण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर साहू ने कहा कि संत गुरु रविदास महाराज ने अपने जीवन से समाज को समानता, समरसता और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने जाति-पांति और ऊंच-नीच के भेदभाव को समाप्त कर कर्म, सेवा और भक्ति का मार्ग दिखाया। उनके विचार आज भी समाज को एकजुट करने और सामाजिक समरसता स्थापित करने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित ने कहा कि संत गुरु रविदास महाराज केवल एक संत नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के महान प्रेरणास्रोत थे। उन्होंने अपने विचारों से समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को सम्मान दिलाने का कार्य किया। आज आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी उनके जीवन और शिक्षाओं को अपनाकर समाज में भाईचारे, सद्भाव और सेवा की भावना को आगे बढ़ाए। शोभायात्रा का शुभारंभ उरई रोड स्थित वीर बालाजी हनुमान मंदिर से हुआ। वहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश पूजन सिर पर कलश धारण किए और शोभायात्रा प्रारंभ हुई। यात्रा वीर बालाजी हनुमान मंदिर से देवनगर चौराहा पहुंची। वहां से ब्लॉक होते हुए पुन: मंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न हुई।

महाप्रबंधक ने किया रेलवे स्टेशन का निरीक्षण, सुरक्षा प्रबंध परिचालन व्यवस्था का किया निरीक्षण

-टीम को बीस हजार का मिला पुरस्कार

(यंग भारत न्यूज)

कोंच उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज के महाप्रबंधक नरेन्द्र पाल सिंह ने झांसी मंडल के डीआरएम अनिरुद्ध सिंह के साथ बुधवार को रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक विशेष निरीक्षण यान से कोंच स्टेशन पहुंचे, जहां रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने स्टेशन परिसर, यात्री सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था, गोदाम और कोंच-एट रेलवे ट्रैक का बारीकी से निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने स्टेशन की साफ-सफाई, सुरक्षा प्रबंध, यात्री सुविधाओं और परिचालन व्यवस्था का जायजा लिया। व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलने पर उन्होंने कोंच रेलवे स्टेशन की पूरी टीम की सराहना की तथा उनको प्रोत्साहन स्वरूप बीस हजार रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की। इस घोषणा से स्टेशन कर्मचारियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि कोंच रेलवे लाइन पर अब एब्सोल्यूट ब्लॉक सिस्टम लागू कर दिया गया है। इस नई व्यवस्था से ट्रेनों का संचालन पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और प्रभावी होगा। साथ ही स्टेशन परिसर में निर्माणाधीन गुड्स शेड का कार्य भी तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार लगभग तीन माह में इसका निर्माण पूरा होने की संभावना है। बारिश का मौसम समाप्त होते ही निर्माण कार्य को और गति दी जाएगी। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने स्थानीय लोगों द्वारा लंबे समय से उठाई जा रही मोक्ष धाम रेलवे गेट की समस्या पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि यात्रियों और आम लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए ट्रेन के आगमन और प्रस्थान के समय रेलवे गेट बंद रखना आवश्यक होता है। हालांकि उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्या के व्यावहारिक समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए इस निरीक्षण को रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा, यात्री सुविधाओं और विकास कार्यों को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है इस मौके पर उप स्टेशन प्रबंधक पूनम,मंदाकिनी प्वाइंट मैन दिलीप, मनोज, उदय सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

अकीदत के साथ नगर में निकाला गया चेहुल्लम का जुलूस

-पुलिस रही चौकन्नी,सीओ कोतवाल करते रहे भ्रमण

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर में मंगलवार देर रात तथा बुधवार को चेहुल्लम के मौके पर अकीदत, एहतराम और गमगीन माहौल के बीच ताजिया जुलूस निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए और हजरत इमाम हुसैन तथा कर्बला के 72 शहीदों की याद में नोहाख्वानी और मातम किया। पूरे नगर में धार्मिक आस्था और अनुशासन का वातावरण देखने को मिला।मंगलवार को ताजिया जुलूस नगर के चंदकुआ क्षेत्र से शुरू होकर अपने निर्धारित मार्गों से निकला।वही बुधवार को यह जुलूस बजरिया से प्रारंभ हुआ जो सागर तालाब, नई बस्ती, जरा वाला चौराहा, लवली चौराहा, अमरचंद्र, पावर हाउस, आराजी लाइन और भगत सिंह नगर सहित नगर के प्रमुख हिस्सों से होकर गुजरा। जुलूस के दौरान अकीदतमंदों ने मातम करते हुए

कर्बला के शहीदों को याद किया और उनके बलिदान को मानवता, इंसाफ और सत्य की राह का प्रतीक बताया।चेहुल्लम के अवसर पर नगर में शांति और सौहार्द का वातावरण बना रहा। जुलूस निर्धारित समय और तय मार्ग से सकुशल संपन्न हुआ। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए प्रशासन और पुलिस पूरे समय सतर्क रही। जुलूस मार्ग पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था, जबकि संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई। सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए एसडीएम अभिनव कुमार, सीओ परमेश्वर प्रसाद और कोतवाली प्रभारी निरीक्षक निग्वेंद्र प्रताप सिंह लगातार जुलूस के साथ भ्रमण करते रहे। अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों को सतर्क रहकर ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए। प्रशासन की मुस्तैदी और लोगों के सहयोग से चेहुल्लम का ताजिया जुलूस शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न हुआ। पूरे आयोजन के दौरान सांप्रदायिक सौहार्द और आपसी भाईचारे की मिसाल भी देखने को मिली।

बारिश ने खोली पालिका की पोल, जलभराव ने बढ़ाई लोगों की परेशानी, जगह जगह भरा सडकों पर पानी

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर में पिछले दो दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश ने लोगों को भीषण उमस और गर्मी से राहत जरूर दिलाई है, लेकिन दूसरी ओर जलभराव और कीचड़ ने नगरवासियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मंगलवार सुबह से शुरू हुई बारिश का सिलसिला बीच-बीच में चलता रहा, जिससे नगर के कई इलाकों में पानी भर गया और जनजीवन प्रभावित हो गया।

बारिश के चलते चन्द्रकुआं चौराहा, बर्तन वाली गली, सागर तालाब क्षेत्र सहित कई स्थानों पर सड़कें जलमग्न हो गईं। चन्द्रकुआं चौराहे पर चारों ओर पानी भर जाने से लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दोपहिया वाहन चालकों को पानी से भरी सड़कों पर निकलने में काफी परेशानी हुई।

सागर तालाब मैदान में खड़ी कई कारों के पहिए पानी में डूब गए उनके अंदर पानी भर गया। वहीं गलियों और मुहल्लों में जलभराव के कारण पैदल चलने वाले लोगों को भी काफी असुविधा उठानी पड़ी। जगह-जगह जमा पानी के कारण कीचड़ फैल गया, जिससे बाजार आने-जाने वाले लोगों और स्थानीय व्यापारियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।नगरवासियों का कहना है कि हर बारिश के बाद यही स्थिति बन जाती है। पर्याप्त जलनिकासी व्यवस्था न होने के कारण थोड़ी देर की बारिश में ही सड़कें तालाब का रूप ले लेती हैं। लोगों ने नगर पालिका से जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है ताकि बरसात के मौसम में आमजन को बार-बार परेशानियों का सामना न करना पड़े।मौसम सुहावना होने से लोगों को गर्मी से राहत तो मिली, लेकिन जलभराव ने नगर की व्यवस्थाओं सहित पालिका की सफाई व्यवस्था की पोल खोल दी। यदि समय रहते नालों और नालियों की नियमित सफाई तथा जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई, तो आगामी दिनों में होने वाली बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो सकती है। नगरवासियों को उम्मीद है कि संबंधित विभाग इस समस्या पर शीघ्र ध्यान देकर प्रभावी कदम उठाएगा।वही पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने बताया कि बरसात के पहले नालों की सफाई कराई गई थी और प्रतिदिन दिन व रात में सफाई अभियान जारी है हालांकि कुछ जगहों पर जलभराब की स्थिति बन जाती हैं लेकिन जल्द ही जलभराब कि इस समस्या से निजात मिलेगी।

कैंप में दिव्यांग बच्चों का चिकित्सीय परीक्षण कर प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया पूरी की गई

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । समेकित शिक्षा अभियान के अंतर्गत बीआरसी भिटारा में मेडिकल असेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में दिव्यांग बच्चों का चिकित्सीय परीक्षण कर प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया पूरी की गई।

महानिदेशक स्कूल शिक्षा के निर्देशानुसार आयोजित कैंप का संचालन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विकास चौधरी के निर्देशन तथा जिला समन्वयक समेकित शिक्षा शिवदीन चौधरी के मार्गदर्शन में किया गया। कैंप में कुल 57 दिव्यांग बच्चों का पंजीकरण हुआ। कैंप में मेडिकल टीम के सदस्य डॉ. शक्ति मिश्रा, डॉ. बी.पी. सिंह, डॉ. अर्चना विश्वास तथा डॉ. सूची वर्मा ने बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनकी दिव्यांगता का आकलन किया। परीक्षण के आधार पर पात्र बच्चों के प्रमाण पत्र जारी करने की संस्तुति की गई, जिससे उन्हें शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा। खंड शिक्षा अधिकारी ज्ञान प्रकाश अवस्थी के नेतृत्व में स्पेशल एजुकेटर जगत सिंह पाल, ईश्वर चंद्रपाल, दीपक पांडे, संदीप दीक्षित, नीरज पांचाल, अंकित सिंह, ब्रह्मानंद राजपूत, मनीष कुमार, वर्षा बिश्नोई तथा कपूरी देवी ने बच्चों के पंजीकरण, दस्तावेजों के सत्यापन और परीक्षण प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को आवश्यक प्रमाण पत्र उपलब्ध कराकर उन्हें शिक्षा, छात्रवृत्ति, सहायक उपकरण तथा अन्य सरकारी सुविधाओं से जोड़ना है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि पात्र बच्चे शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

ताजियों को निकालने के बाद अकीदतमंदों द्वारा ताजियों को कर्बला में दफन किया गया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। हसन व हुसैन की यादगार के रूप में चेहल्लुम के पर्व पर ताजियों को निकालने के बाद अकीदतमंदों द्वारा ताजियों को कर्बला में दफन किया गया। जिसमें मंगलवार की रात एवं बुधवार को दोपहर ताजियों को तोपखाना स्थित तकिया मैदान से उठाया गया। ताजियों को नगर के विभिन्न मार्गो से होते हुए चुंगी नंबर चार के पास कर्बला शरीफ की ओर ले जाया गया। जहां अकीदतमंदो ने पूरे एहतराम से उन्हें कर्बला शरीफ में दफन किया।

चेहल्लुम के अवसर पर नगर में ताजियों को मंगलवार की रात 12 बजे नगर में विभिन्न मार्गों से होकर घुमाया गया। इसके बाद बुधवार को दोपहर 12 बजे सभी ताजियादारों द्वारा अपने अपने ताजियों को झंडा चौराहा पर एकत्रित किया गया। जहां से सभी ताजियों को पत्थर गली, कालिंदी मोड़, नत्थू चौराहा, होते हुए झंडा चुंगी नंबर चार पर कर्बला शरीफ के लिए रवाना किया गया। जहां ताजियादार याकूब, शमशाद, कुतबुद्दीन, गुलशे, खलील, बाबू मंसूरी, शकूर मंसूरी, बाबू शाह, दीनअली शाह एवं शरीफ ने सभी ताजियों को अकीदत के साथ कर्बला शरीफ के मैदान में दफन किया। चेहल्लुम के पर्व को लेकर मौलाना साबिर बताते हैं कि मैदाने कर्बला में शहीद हुए इमाम हुसैन व उनके 71 अनुयायियों की शहादत के चालीस दिन बाद चेहल्लुम का पर्व मनाया जाता है। इमाम हुसैन मोहर्रम की दसवीं तारीख को शहीद हुए थे, चालीसवें पर हम उन्हें और उनके साथियों की शहादत को एक बार फिर याद करते हैं। वहीं, ताजिया निकलते समय कोई गड़बडी न हो इसके लिए स्थानीय प्रशासन पूरी तरह से चाक, चौबंद रहा। जुलूस के दौरान एसडीएम राकेश सोनी, सीओ अजय कुमार सिंह, इंस्पेक्टर क्राइम विवेक मौर्य, चौकी प्रभारी मनीष तिवारी, शिवम सेंगर आदि रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत 12 सितंबर को, आपसी सुलह से होंगे विभिन्न वादों का निस्तारण

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती मनाली चन्द्रा ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 सितंबर 2026 (शनिवार) को प्रात: 10 बजे से जनपद की समस्त दीवानी न्यायालयों में किया जाएगा। यह आयोजन माननीय जनपद न्यायाधीश विरजेन्द्र कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न होगा।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में दीवानी, राजस्व, मोटर वाहन दुर्घटना, पारिवारिक एवं वैवाहिक/दाम्पत्य विवाद, श्रम वाद, विद्युत एवं जल बिल संबंधी शमनीय वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, लघु एवं शमनीय आपराधिक वाद तथा धारा 138 एनआई एक्ट (चेक बाउंस) के मामलों का निस्तारण आपसी सुलह-समझौते अथवा जुर्म स्वीकारोक्ति के आधार पर किया जाएगा। इसके अलावा प्री-लिटिगेशन स्कीम के अंतर्गत मोबाइल एवं टेलीफोन के बकाया बिल तथा विभिन्न बैंकों के ऋण बकायेदारों के मामलों को भी लोक अदालत में शामिल किया जाएगा। ऐसे उपभोक्ताओं और ऋणधारकों से इस अवसर का लाभ उठाकर अपने मामलों का निस्तारण कराने की अपील की गई है। सचिव ने बताया कि यातायात संबंधी चालानों का भुगतान Vcourts.gov.in वेबसाइट के माध्यम से ई-पेमेंट कर घर बैठे भी निस्तारण कराया जा सकता है। उन्होंने जनपद के समस्त वादकारियों से अपील की है कि जो व्यक्ति अपने लंबित मामलों का आपसी सुलह के आधार पर निस्तारण कराना चाहते हैं, वे निर्धारित तिथि पर लोक अदालत में उपस्थित होकर इस सुविधा का लाभ उठाएं। किसी भी प्रकार की जानकारी या समस्या होने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता ने फांसी लगाकर जीवनलीला समाप्त की,डेढ़ माह की मासूम बच्ची हुई बेसहारा

दरवाजा तोड़कर घर के अंदर पहुंची पुलिस ने शव के फंदे से नीचे उतारा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर के मुहल्ला प्रताप नगर में एक विवाहिता द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर परिजनो से पूछंताछ की।जानकारी के अनुसार मुहल्ला प्रताप नगर शीतला माता मंदिर के पास रहने वाली वर्षा बुधौलिया उम्र 24 वर्ष पत्नी अंतरिक्ष उर्फ शिवा बुधौलिया ने अपने घर की दूसरी मंजिल पर आंगन में लगे जाल से रस्सी का फंदा लगाकर जीवनलीला समाप्त कर ली। बताया गया कि वर्षा का विवाह 7 मई 2021 को हुआ था। उसके डेढ़ माह की एक मासूम बच्ची भी है।परिजनों के अनुसार वर्षा का पति अंतरिक्ष उर्फ शिवा पिछले लगभग एक माह से नशा मुक्ति केंद्र कानपुर में भर्ती है। घटना के समय वर्षा घर में अकेली थी। शाम के समय पास के दूसरे मकान में रहने वाली उसकी बहन घर पहुंची और काफी देर तक आवाज लगाती रही, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उसने पड़ोसी के मकान की छत पहुंचकर देखा तो वर्षा जाल से फंदे के सहारे लटकी हुई थी। यह दृश्य देखकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग भी मौके पर एकत्र हो गए। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 सहित स्थानीय पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अंदर से बंद मुख्य गेट को मुहल्ला वासियो की उपस्थित में तोडा तथा शव को नीचे उतरवाया और आवश्यक कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है।सूचना पर मौके पर पहुंचे कोतवाल निग्वेंद्र सिंह का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।खेडा चौकी प्रभारी शिवनारायण ने महिला सिपाहियो की मौजूदगी में शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

'रोड नहीं तो वोट नहीं' की अनसुनी पुकार, बदहाल रास्ते ने ली एक और जान

- कुइयाझोर में एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंची, चारपाई पर ले जाते समय बुजुर्ग की मौत
- लोकसभा चुनाव में लगाया था 'रोड नहीं, वोट नहीं' का बैनर, आज भी नहीं बनी सड़क
- पीडब्ल्यूडी के अनुसार सड़क का प्रस्ताव शासन स्तर पर लंबित, ग्रामीणों में भारी आक्रोश
- बरसात में गांव का संपर्क टूटता है, मरीजों और गर्भवतियों को चारपाई के सहारे ले जाने की मजबूरी

(यंग भारत न्यूज)

कदौरा (जालौन)। उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के प्रत्येक गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने की योजना पर कार्य कर रही है, लेकिन जनपद जालौन के कदौरा विकासखंड की ग्राम पंचायत परासन के मजरा कुइयाझोर के ग्रामीण आज भी पक्की सड़क के लिए तरस रहे हैं। वर्षों से सड़क निर्माण की मांग कर रहे ग्रामीणों ने लोकसभा चुनाव के दौरान गांव के बाहर 'रोड नहीं तो वोट नहीं' का बैनर लगाकर विरोध भी दर्ज कराया था। चुनाव बीत जाने के बाद भी न तो कोई जनप्रतिनिधि गांव की समस्या का स्थायी समाधान करा सका और न ही प्रशासन सड़क निर्माण शुरू करा पाया। अब इसी बदहाल रास्ते ने एक बुजुर्ग की जान ले ली है।

मंगलवार शाम करीब साढ़े पांच बजे गांव निवासी 58 वर्षीय शर्मन घर का काम कर रहे थे। अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वह अचेत होकर गिर पड़े। परिजनों ने तत्काल 108 एंबुलेंस सेवा को सूचना दी। एंबुलेंस कालपी-राठ मार्ग तक तो पहुंच गई, लेकिन गांव तक जाने वाला करीब 300 मीटर लंबा कच्चा रास्ता बारिश के कारण पूरी तरह कीचड़ और दलदल में बदल चुका था। रास्ते में खराब पुलिया होने से एंबुलेंस चालक वाहन आगे नहीं ले जा सका। परिजनों और ग्रामीणों के सामने कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा। उन्होंने शर्मन को चारपाई पर लिटाया और मुख्य मार्ग तक ले जाने लगे। कीचड़, फिसलन और टूटी पुलिया के बीच चारपाई उठाकर चलना बेहद मुश्किल हो गया। रास्ते में ही शर्मन की हालत लगातार बिगड़ती चली गई और अस्पताल पहुंचने से पहले उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक के नाती चमन ने बताया कि यदि गांव तक पक्की सड़क बनी होती तो एंबुलेंस सीधे घर तक पहुंच जाती और उनके नाना को समय पर इलाज मिल सकता था। उनका कहना है कि सड़क न होने के कारण एक व्यक्ति की जान चली गई, जिसकी जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा। ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। बरसात शुरू होते ही कुइयाझोर का संपर्क मुख्य मार्ग से लगभग कट जाता है। मरीजों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को चारपाई या अन्य अस्थायी साधनों से मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ता है। कई बार एंबुलेंस गांव के बाहर ही खड़ी रह जाती है और मरीजों की हालत रास्ते में ही गंभीर हो जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि 18 जुलाई को भी शर्मन को जहरीले कीड़े ने काट लिया था। उस समय भी खराब सड़क के कारण उन्हें चारपाई पर उठाकर मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ा था। संयोगवश उस दिन समय पर उपचार मिल गया और उनकी जान बच गई थी, लेकिन इस बार किस्मत ने साथ नहीं दिया। ग्रामीणों के अनुसार लोकसभा चुनाव के दौरान गांव के बाहर लगाया गया 'रोड नहीं तो वोट नहीं' का बोर्ड आज भी लगा हुआ है, जो गांव की उपेक्षा की कहानी बयां कर रहा है। चुनाव के समय जनप्रतिनिधियों ने सड़क बनवाने का आश्वासन दिया था, लेकिन चुनाव समाप्त होने के बाद किसी ने गांव की सुध नहीं ली। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से सड़क निर्माण की मांग की जा चुकी है। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों से जानकारी लेने पर बताया गया कि सड़क निर्माण का प्रस्ताव शासन स्तर पर लंबित है। प्रस्ताव स्वीकृत न होने के कारण निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक गांव तक पक्की सड़क और क्षतिग्रस्त पुलिया का निर्माण नहीं होगा, तब तक ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति होती रहेगी। उन्होंने प्रशासन और सरकार से मांग की है कि कुइयाझोर को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली सड़क और पुलिया का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए, ताकि भविष्य में किसी अन्य परिवार को ऐसी त्रासदी का सामना न करना पड़े। यह घटना एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की कमी और विकास के दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

विरासनी में विशाल बुद्ध प्रतिमा की स्थापना, बुद्ध विहार का भव्य उद्घाटन

- भव्य शोभायात्रा में उमड़े हजारों श्रद्धालु, देश-विदेश के भिक्षुओं ने दिया शांति, करुणा और मानवता का संदेश

(यंग भारत न्यूज)

उरई, जालौन। जनपद के ग्राम विरासनी में भगवान बुद्ध की विशाल प्रतिमा की स्थापना एवं पूज्य भदन्त दीपांकर महास्थविर बुद्ध विहार का भव्य उद्घाटन श्रद्धा, भक्ति और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में जनपद सहित विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं, उपासक-उपासिकाओं और धर्मानुरागियों ने भाग लेकर आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया।

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बुद्ध की विशाल प्रतिमा की भव्य शोभायात्रा से हुई। शोभायात्रा में श्रद्धालुओं ने बुद्ध वंदना, मंगल गाथाओं और जयघोष के साथ पूरे गांव का भ्रमण किया। पूज्य भदन्त दीपांकर महास्थविर को विशेष रूप से सुसज्जित रथ पर विराजमान कर शोभायात्रा निकाली गई। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया गया। यह आयोजन स्मृतिशेष उपासिका माता श्रीमती गंगा देवी एवं

स्मृतिशेष उपासक पिता श्री सुमेर चन्द्र की पुण्य स्मृति को समर्पित रहा। उनके स्मरण में निर्मित बुद्ध विहार और भगवान बुद्ध की विशाल प्रतिमा का निर्माण पूज्य भदन्त दीपांकर महास्थविर के मार्गदर्शन में कराया गया। समारोह का मुख्य आकर्षण पूज्य भदन्त दीपांकर महास्थविर एवं भिक्खुसंघ द्वारा भगवान बुद्ध की प्रतिमा की विधिवत स्थापना और बुद्ध विहार का उद्घाटन रहा। त्रिशरण, पंचशील, बुद्ध वंदना और मंगलाचार के बीच पूरा वातावरण धम्ममय हो उठा। श्रद्धालुओं ने इसे अपने जीवन का अविस्मरणीय क्षण बताया। समारोह में सारनाथ धम्मा लर्निंग सेंटर के संस्थापक एवं पूर्व चेयरमैन, अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान लखनऊ के पूर्व मंत्री पूज्य भिक्खु चन्दिमा महाथेरो, वियतनाम से पूज्य भिक्खु डो टैन क्वांग तथा म्यांमार से पूज्य भिक्खु नानिदा सहित अनेक भिक्षुओं ने सहभागिता की। उन्होंने अपने संबोधन में करुणा, मैत्री, सद्भाव और मानवता के मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। आयोजकों ने बताया कि यह आयोजन केवल प्रतिमा स्थापना और बुद्ध विहार के उद्घाटन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ग्राम विरासनी में धम्म, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना के नए अध्याय का प्रतीक बन गया।

मामूली कहासुनी ने लिया हिंसक रूप, दो पक्षों में लाठी-डंडे चले, वीडियो वायरल

(यंग भारत न्यूज)

उरई। शहर कोतवाली क्षेत्र स्थित बघौरा बाईपास पर बुधवार को मामूली कहासुनी के बाद दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और मामले की जांच शुरू कर दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शुरुआत किसी छोटी-सी बात को लेकर हुई कहासुनी से हुई थी, जो देखते ही देखते गाली-गलौज और फिर हिंसक झड़प में बदल गई। सड़क पर काफी देर तक दोनों पक्षों के बीच मारपीट होती रही, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों में भी दहशत का माहौल बन गया। आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को शांत कराने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर उरई कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर वायरल वीडियो को भी जांच का हिस्सा बनाया है। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि मारपीट में शामिल सभी लोगों की पहचान की जा सके। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है। किसी भी पक्ष की ओर से तहरीर मिलने पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। वायरल वीडियो की सत्यता और उसमें दिखाई दे रहे लोगों की पहचान भी की जा रही है।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा का भव्य स्वागत, कहा- 2047 के विजन को लेकर युवाओं के बीच जाएंगे

(यंग भारत न्यूज)

उरई भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा बुधवार को दोपहर नगर पहुंचे। उनका आगमन कार्यकर्ताओं के लिए उत्सव जैसा बन गया। कालपी यमुना पुल पर सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने फूल बरसाकर उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान क्रेन की मदद से 250 किलो की विशाल माला पहनाकर उन्हें सम्मानित किया वही अटा टोल प्लाजा पर भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमीय त्रिपाठी ने अपने अंदाज में प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने उन्हें भगवान श्रीराम की प्रतिमा भेंट की। स्वागत के दौरान 'भारत माता की जय' और 'योगी-मोदी जिंदाबाद' के नारे गूंजते रहे। शहर के विभिन्न चौराहों पर भी कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह फूलमालाओं और ढोल-नगाड़ों के साथ रोहित मिश्रा का अभिनंदन किया। मीडिया से बात करते हुए रोहित मिश्रा ने कहा कि यह कोई चुनावी या रणनीतिक बैठक नहीं है, बल्कि कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद और उनसे मिलने का कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 के विकसित भारत के विजन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुशासन को जन-जन तक पहुंचाने के लिए युवा मोर्चा गांव-गांव जाएगा। युवा मोर्चा सरकार की योजनाओं को युवाओं तक पहुंचाने और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का काम करेगा।

दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन के सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी में किसी तरह की नाराजगी नहीं है। कई वीडियो सामने आए हैं जिनमें छात्र माफी मांगते दिख रहे हैं। प्रधानमंत्री ने खुद को छात्रों का अभिभावक बताया है और बच्चों ने भी उन्हें माफ कर दिया है। कार्यक्रम के बाद रोहित मिश्रा शाम 5 बजे झांसी के लिए रवाना हो गए। स्वागत कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित आदर्श सोनकिया उमंग सिंह केटी तोमर सुभाष पिंडारी शिव सोनी शिवम गुप्ता प्रशांत द्विवेदी एवंजिला और नगर के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में भाजयुमो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जीएमसी उरई में विश्व स्तनपान सप्ताह पर जागरूकता कार्यक्रम, नई माताओं को किया गया जागरूक

- चिकित्सकों ने बताए स्तनपान के लाभ, पहले छह माह तक केवल माँ का दूध पिलाने पर दिया जोर

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। राजकीय मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) उरई के शिशु रोग विभाग एवं जालौन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के संयुक्त तत्वावधान में विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सकों ने नई माताओं एवं उनके परिजनों को स्तनपान के महत्व, सही विधि और इसके स्वास्थ्य लाभों की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. संतोष लोधी की प्रेरणादायक कविता से हुआ। उन्होंने 'जीएमसी जालौन में गूंजी किलकारी, प्रभु की महिमा निराली... माँ का दूध प्रभु का उपहार, स्वस्थ शिशु, खुशहाल परिवार' के माध्यम से माताओं को स्तनपान के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. निकिता ने किया। डॉ. छवि जायसवाल ने विश्व स्तनपान सप्ताह की थीम 'स्तनपान को प्राथमिकता दें: सतत सहयोगी व्यवस्था का निर्माण करें' पर प्रकाश डालते हुए जन्म के पहले घंटे में स्तनपान शुरू कराने तथा जन्म से छह माह तक केवल माँ का दूध पिलाने के महत्व को बताया। डॉ. कामिनी राजपूत ने कार्यरत माताओं को स्तनदूध सुरक्षित निकालने एवं संग्रहित करने की जानकारी दी, जबकि डॉ. मीनल गोयल ने स्तनपान से माताओं को होने वाले स्वास्थ्य लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. दिव्या पिपरिया ने स्तनपान की सही स्थिति एवं तकनीक का व्यावहारिक प्रदर्शन कर माताओं को प्रशिक्षित किया। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संतोष वर्मा ने कहा कि सफल स्तनपान के लिए परिवार का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। वहीं मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह ने नवजात को पहले छह माह तक केवल माँ का दूध पिलाने की अपील करते हुए नई माताओं को इसका संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रशांत निरंजन एवं अन्य संकाय सदस्यों ने नई माताओं को उपहार देकर सम्मानित किया। पोस्टर प्रतियोगिता में अंजलि एवं अनुराग विजेता रहे। इस अवसर पर चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, एमबीबीएस एवं नर्सिंग के छात्र-छात्राओं के साथ बड़ी संख्या में नई माताएं एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।

उरई से दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन का रास्ता साफ, जल्द मिलेगी अंतिम मंजूरी : महाप्रबंधक

(यंग भारत न्यूज)

उरई, 5 अगस्त। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने बुधवार को उरई रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर साफ-सफाई, यात्री सुविधाओं और स्टेशन के रखरखाव की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पार्सल घर में गंदगी मिलने पर नाराजगी जताई तथा अधिकारियों को स्वच्छता और यात्रियों की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

महाप्रबंधक दोपहर करीब 12 बजे कानपुर से परख यान द्वारा उरई पहुंचे। उन्होंने सर्कुलेटिंग एरिया, पे-एंड-यूज शौचालय, महिला प्रतीक्षालय, प्रथम श्रेणी प्रतीक्षालय तथा सीटीआई कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि शौचालयों का बेहतर रखरखाव किया जाए तथा पार्किंग हट को टीन शेड में परिवर्तित किया जाए। साथ ही स्टेशन परिसर में संकेतक बोर्ड व्यवस्थित ढंग से लगाने के भी निर्देश दिए। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने बताया कि उरई से दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन चलाने की स्वीकृति उत्तर मध्य रेलवे की ओर से मिल चुकी है और अब उत्तर रेलवे की मंजूरी मिलते ही ट्रेन का संचालन शुरू होगा। उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई-कटिहार एक्सप्रेस (09189/09190), सूरत-छपरा एक्सप्रेस (09065/09066) तथा अहमदाबाद-दरभंगा एक्सप्रेस (09465/09466) के उरई स्टेशन पर ठहराव की प्रक्रिया भी शीघ्र पूरी की जाएगी। उन्होंने बताया कि झांसी-कानपुर मेमू ट्रेनों में यात्रियों की सुविधा के लिए चार-चार अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित उरई स्टेशन का उद्घाटन रेलवे बोर्ड की अंतिम स्वीकृति मिलते ही किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक के सचिव अखिल शुक्ला, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक अतुल यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इसके बाद उन्होंने कोंच रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर माल गोदाम, यात्री सुविधाओं और रेलवे आवासों का जायजा लिया तथा उत्कृष्ट रखरखाव के लिए स्टेशन मास्टर मंदाकिनी निरंजन को 20 हजार रुपये के पुरस्कार की घोषणा की।

- उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने उरई स्टेशन का किया निरीक्षण, सफाई व्यवस्था पर जताई नाराजगी
- मुंबई-कटिहार, सूरत-छपरा और अहमदाबाद-दरभंगा एक्सप्रेस के उरई ठहराव का दिया भरोसा
- झांसी-कानपुर मेमू में बढ़ेंगे चार-चार अतिरिक्त कोच, अमृत भारत स्टेशन का उद्घाटन रेलवे बोर्ड की स्वीकृति के बाद

ऑपरेशन 'कन्विक्शन' के तहत दो अभियुक्तों को सात-सात वर्ष का कारावास

(यंग भारत न्यूज)

उरई। पुलिस अधीक्षक जालौन के निर्देशन में मॉनिटरिंग सेल एवं कोतवाली उरई पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते न्यायालय ने मारपीट के एक मामले में दो अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए सात-सात वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक पर 7,500 रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है।

जानकारी के अनुसार, अभियुक्त समरवीर सिंह पुत्र ब्रजेन्द्र सिंह निवासी बारिता, नई दिल्ली तथा करणेश पुत्र वीरेन्द्र निवासी ग्राम पीरा, थाना औरैया सदर (जनपद औरैया) के विरुद्ध कोतवाली उरई में वर्ष 2002 में धारा 420/467/468/471 भादवि के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन कन्विक्शन' अभियान के तहत मॉनिटरिंग सेल एवं कोतवाली उरई पुलिस ने मामले की प्रभावी पैरवी की। जिसके परिणामस्वरूप मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) न्यायालय, उरई ने दोनों अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए सात-सात वर्ष के कारावास एवं प्रत्येक पर 7,500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

बारिश में त्रिपाल तानकर हुआ अंतिम संस्कार, श्मशान घाट पर छत न होने से ग्रामीणों में आक्रोश

(यंग भारत न्यूज)

जालौन 5 अगस्त (वार्ता)। जनपद जालौन के विकासखंड कुठौंद अंतर्गत ग्राम पंचायत नौरेजपुर में बुधवार को एक मार्मिक घटना ने पूरे गांव को गमगीन कर दिया। गांव निवासी देवेंद्र पाल (36) पुत्र सियाराम पाल का गुजरात के पालनपुर में बीमारी के दौरान इलाज के समय निधन हो गया। बुधवार सुबह उनका पार्थिव शरीर गांव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया और अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण उनके आवास पर जुट गए।

परिजनों के अनुसार देवेंद्र पाल कई वर्षों से गुजरात के पालनपुर में रंगाई (कलर) का कार्य कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उपचार के दौरान मंगलवार को एक सरकारी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। इसके बाद परिजन उनका पार्थिव शरीर लेकर बुधवार सुबह गांव पहुंचे, जहां शोकाकुल माहौल में अंतिम यात्रा निकाली गई। अंतिम संस्कार के दौरान सबसे बड़ी परेशानी गांव के श्मशान घाट पर सामने आई। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश और श्मशान घाट पर किसी प्रकार की स्थायी छत या टीनशेड की व्यवस्था न होने से परिजनों और ग्रामीणों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। बारिश के बीच लकड़ियां भीगने लगीं तो ग्रामीणों ने तत्काल त्रिपाल लगाकर किसी तरह चिता को सुरक्षित किया और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी कराई। इस दौरान मौजूद लोगों ने कहा कि यदि श्मशान घाट पर पक्की छत या टीनशेड की व्यवस्था होती तो ऐसी परिस्थितियों का सामना नहीं करना पड़ता। इस संबंध में विकासखंड कुठौंद के खंड विकास अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका मोबाइल फोन स्विच ऑफ मिला। उनके पक्ष से यह जानकारी नहीं मिल सकी कि नौरेजपुर श्मशान घाट पर टीनशेड अथवा पक्की छत के निर्माण का कोई प्रस्ताव स्वीकृत है या नहीं। देवेंद्र पाल अपने पीछे छह वर्षीय पुत्र और चार वर्षीय पुत्री को छोड़ गए हैं। पिता की असमय मृत्यु से दोनों मासूम बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया, जबकि परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। अंतिम संस्कार के दौरान परिजनों का विलाप देखकर मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से श्मशान घाट पर शीघ्र टीनशेड, पक्की छत और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। उनका कहना है कि अंतिम संस्कार जैसी संवेदनशील प्रक्रिया के दौरान बारिश में होने वाली परेशानियां बेहद पीड़ादायक हैं और भविष्य में किसी अन्य परिवार को ऐसी स्थिति का सामना न करना पड़े, इसके लिए तत्काल व्यवस्था की जानी चाहिए। इस अवसर पर गुलजारी पाल, सियाराम पाल, बालकिशुन, अभिलाख, गोविंद, पूर्व प्रधान कृष्ण कुमार, सोबरन पाल, प्रमोद कोटेदार, नरपाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

- गुजरात में इलाज के दौरान युवक की मौत, गांव पहुंचा शव तो गम में डूबा पूरा गांव
- मूसलाधार बारिश के बीच त्रिपाल के सहारे पूरी करनी पड़ी अंतिम संस्कार की रस्में
- श्मशान घाट पर टीनशेड और मूलभूत सुविधाओं की मांग, बीडीओ का मोबाइल रहा स्विच ऑफ

बसपा-सपा छोड़ एआईएमआईएम में शामिल हुए दर्जनों समर्थक, रामपुरा व एट में संगठन विस्तार को मिली मजबूती

- जनसंपर्क अभियान के दौरान कई लोगों ने थामा एआईएमआईएम का दामन
- जिलाध्यक्ष रईस मलिक ने 15 दिन में रामपुरा नगर कार्यकारिणी गठन के दिए निर्देश
- पार्टी नेताओं ने विचारधारा और संगठन को गांव-गांव तक पहुंचाने का लिया संकल्प
- नए सदस्यों का फूल-माला पहनाकर किया स्वागत, संगठन मजबूत करने पर जोर

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने जनपद जालौन में संगठन विस्तार अभियान को तेज करते हुए रामपुरा नगर पंचायत, एट नगर पंचायत तथा ईगुई कलां गांव में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया। पार्टी नेताओं ने लोगों के बीच पहुंचकर संगठन की नीतियों और विचारधारा से अवगत कराया। इस दौरान समाजवादी पार्टी तथा अन्य दलों से जुड़े कई समर्थकों ने एआईएमआईएम की सदस्यता ग्रहण करने की घोषणा की।

कार्यक्रम का नेतृत्व पार्टी के बुंदेलखंड उपाध्यक्ष हजरत अल्लामा मौलाना पीर सलमान अहमद कादरी, जिलाध्यक्ष रईस मलिक, वरिष्ठ नेता तारिक अनवर रहमानी, जिला उपाध्यक्ष अब्दुल रसीद शाह चिश्ती, उरई-जालौन विधानसभा अध्यक्ष सलीम मंसूरी, जिला कोषाध्यक्ष फईम खान, जिला प्रमुख महासचिव ऐनुल हसन मंसूरी तथा जिला संगठन मंत्री माशूक अली ने किया। नेताओं ने सबसे पहले कोंच-माधौगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगर पंचायत रामपुरा में जनसंपर्क अभियान चलाया। पार्टी के अनुसार इस दौरान समाजवादी पार्टी के लगभग एक दर्जन समर्थकों ने एआईएमआईएम की सदस्यता ग्रहण की। जिलाध्यक्ष रईस मलिक ने रामपुरा नगर अध्यक्ष आसिफ खान को निर्देश देते हुए कहा कि 15 दिनों के भीतर नगर कार्यकारिणी का गठन कर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जाए। इसके बाद उरई-जालौन विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगर पंचायत एट और ग्राम ईगुई कलां में भी जनसंपर्क अभियान चलाया गया। पार्टी नेताओं ने दावा किया कि यहां लगभग दो दर्जन लोगों ने समाजवादी पार्टी छोड़कर एआईएमआईएम का दामन थामा। इनमें इस्माईल खान, नफीस खान, चांद बाबू शाह, अफजल खान, नसीर खान, अल्ताफ खान, शानू खान, इस्राइल खान, इसरार खान, अनीस अहमद खान, महराब खान और अहसान खान पठान सहित अन्य लोग शामिल रहे। इसी क्रम में एट नगर के व्यापारी एवं समाजसेवी बरकत अली मंसूरी भी अपने साथियों के साथ एआईएमआईएम में शामिल हुए। उनके साथ ताहिर राईन, अरमान अली, इरफान मंसूरी, साजिद मंसूरी, सुलेमान मंसूरी, हलीम मंसूरी, बसीम अहमद, कासिम मंसूरी, शाहिद मंसूरी, जाकिर मंसूरी, आफताब मंसूरी, सुहेल मंसूरी और सद्दाम मंसूरी ने भी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी में शामिल हुए सभी नए सदस्यों का नेताओं ने फूल-माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर नए सदस्यों ने संगठन की नीतियों पर विश्वास व्यक्त करते हुए पार्टी को तन, मन और धन से मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष रईस मलिक ने कहा कि एआईएमआईएम सामाजिक न्याय, संवैधानिक अधिकारों और आम लोगों की आवाज को मजबूती से उठाने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य गांव-गांव और वार्ड-वार्ड तक पार्टी की पहुंच बढ़ाना है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भी कार्यकर्ताओं से संगठन विस्तार अभियान को और तेज करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में आमिर अली चिश्ती, जाविद खान, आसिफ पठान, आमिर रजा, रईस खान, सादिक खान, तनवीर अली सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। पार्टी नेताओं ने दावा किया कि आने वाले दिनों में संगठन विस्तार अभियान जनपद के अन्य क्षेत्रों में भी जारी रहेगा।

मेडिकल कॉलेज गेट नंबर-2 के सामने ट्रांसफार्मर से चिपककर गौमाता की दर्दनाक मौत, बिजली विभाग की लापरवाही पर उठे सवाल

- खुले में असुरक्षित ट्रांसफार्मर बना हादसों का कारण
- विद्युत विभाग की अनदेखी का खामियाजा भुगत रहे गौवंश और राहगीर

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिला मुख्यालय उरई के कालपी रोड स्थित मेडिकल कॉलेज गेट नंबर-2 के सामने बुधवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई। यहां खुले में लगे विद्युत ट्रांसफार्मर की चपेट में आने से एक गौमाता की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई और लोगों में बिजली विभाग के प्रति भारी आक्रोश देखने को मिला।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गौवंश चारा तलाशते हुए ट्रांसफार्मर के समीप पहुंच गया। ट्रांसफार्मर के आसपास पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था न होने और करंट प्रवाहित होने के कारण गौमाता उसकी चपेट में आ गई। तेज करंट लगने से उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि मेडिकल कॉलेज जैसे अत्यंत व्यस्त क्षेत्र में लगा यह ट्रांसफार्मर लंबे समय से खुले और असुरक्षित हालात में है। कई बार इसकी सुरक्षा के लिए घेराबंदी कराने और विभागीय अधिकारियों को अवगत कराने की मांग की गई, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का आरोप है कि विभाग की लापरवाही के कारण पहले भी कई बार दुर्घटना की आशंका जताई गई थी, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। क्षेत्रवासियों ने कहा कि यदि समय रहते ट्रांसफार्मर के चारों ओर सुरक्षा जाली या दीवार बना दी जाती तो इस बेजुबान गौमाता की जान बचाई जा सकती थी। उनका कहना है कि यह केवल एक पशु की मौत का मामला नहीं है, बल्कि यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज, तीमारदार, छात्र-छात्राएं और राहगीर गुजरते हैं। यदि कोई व्यक्ति करंट की चपेट में आ जाए तो बड़ा हादसा हो सकता है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग से तत्काल ट्रांसफार्मर की सुरक्षित घेराबंदी कराने, खुले विद्युत उपकरणों को सुरक्षित करने तथा दोषी अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि विभाग ने समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए तो भविष्य में और भी गंभीर हादसे हो सकते हैं। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित और पशु सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिले भर में खुले एवं असुरक्षित ट्रांसफार्मरों का सर्वे कराकर आवश्यक सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं, ताकि ऐसी दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

सीप वीथिका का हुआ भव्य शुभारम्भ

(यंग भारत न्यूज)

5 अगस्त राष्ट्रीय सीप दिवस के अवसर पर इन्टैक उरई अध्याय द्वारा चूडी वाली गली स्थित श्रीमती संध्या पुरवार के निवास पर एक सीप वीथिका लगाई गई जिसका शुभारंभ दयानंद वैदिक महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य जीव विज्ञान शास्त्र के विभाग अध्यक्ष डॉक्टर अनिल कुमार श्रीवास्तव ने श्री गणेश जी की प्रतिमा के समक्ष शंख ध्वनि के मध्य दीप प्रज्वलित कर किया ।

डा0 श्रीवास्तव जी ने कहा कि मैं जीव विज्ञान का छात्र हूं और मैने बहुत सारी सीडियां, शंख कौडी आदि देखे हैं परन्तु यहां पर एक साथ एक से एक दुर्लभ अप्राप्त सीपियों को देखकर मैं आश्चर्य चकित हूं। निश्चित रुप से इस भव्य संग्रह के लिये आदरणीय भाई डा0 हरीमोहन पुरवार तथा भाभीजी सन्ध्या पुरवार को बहुत बहुत बधाई। इस दीर्घा में भिन्न-भिन्न प्रकार की छोटी बडी सीपों का प्रदर्शन किया गया। इस वीथिका के संयोजक डॉ हरीमोहन पुरवार ने बतलाया कि सीप एक ऐसा समुद्री मलुस्का परिवार का जीव है जो सी फूड्स के रूप में अत्यंत लोकप्रिय है। समुद्र के किनारे रहने वाले लोग बड़े चाव के साथ इसे अपने भोजन में सम्मिलित करते हैं । इसकी एक विशेष बात यह है कि एक सीप जन्तु प्रतिदिन लगभग 20 गैलन पानी को शुद्ध करता है। इससे समुद्र की समुद्र चट्टानों फॉसिल उनकी तमाम वनस्पतियां आदि को सुरक्षा भी प्राप्त होती है। इस सीप वीथिका में लगभग 50 प्रकार की छोटी बडी विभिन्न आकार प्रकार की रंग बिरंगी सीपों को प्रदर्शित किया गया है जो अनायास ही सबका मन मोह लेती है और आकर्षण का केंद्र बन जातीहै। इस वीथिका में सीप के आकार की रजतीय दुर्लभ मुद्रायें तथा छोटे आकार के कुछ शंख भी प्रदर्शित किये गये। डा0 हरीमोहन पुरवार ने मुख्य अतिथि डा0 अनिल श्रीवास्तव को तथा उनकी पत्नी श्रीमती पुष्पा श्रीवास्तव को सन्ध्या पुरवार व चंचल मिश्रा ने अंग वस्त्र उढाकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में उन्हें श्रीमती संध्या पुरवार, प्रियन्का अग्रवाल, चंचल मिश्रा द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। वीथिका अवलोकन में राहुल पाटकर, डा0 अभिशेक गुप्त (लकी)अरुण कुमार लाल, विश्व नाथ पुरवार, कु0 काजल राजपूत आदि की विशेष उपस्थित रही ।अंत में श्री शिव शंकर रावत ने सभी आगन्तुको का आभार किया।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में सुनी फरियादियों की समस्याएं

अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने अपने कार्यालय कक्ष में जनसुनवाई के दौरान दूर-दराज से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, राजस्व, विद्युत, पुलिस, विकास, नगर निकाय, समाज कल्याण, आवास, पेंशन, पेयजल तथा अन्य विभागों से संबंधित प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी ने प्रत्येक प्रकरण की गंभीरता से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण शासन की मंशा के अनुरूप निर्धारित समय-सीमा में कराया जाए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रत्येक अधिकारी शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन मामलों में मौके पर जाकर जांच आवश्यक हो, उनमें स्थलीय निरीक्षण कर निष्पक्ष आख्या प्रस्तुत की जाए तथा शिकायतकर्ता को निस्तारण की प्रगति से भी अवगत कराया जाए।

रिमझिम बारिश से खिल उठे किसानों के चेहरे, खरीफ फसलों को मिली नई जिंदगी

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। सोमवार देर रात्रि से शुरू हुई रिमझिम बारिश का सिलसिला मंगलवार को पूरे दिन जारी रहा। बुधवार को सुबह से ही तेज बारिश शुरू हो गई किसानों के चेहरे खिल उठे। कई दिनों से बारिश न होने के कारण खरीफ की फसलें सूखने की कगार पर पहुंच गई थीं, लेकिन समय पर हुई इस बारिश ने किसानों को बड़ी राहत दी है जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में मूंग, उड़द, तिल, बाजरा सहित अन्य खरीफ फसलों को इस वर्षा से संजीवनी मिलने की उम्मीद है। खेतों में नमी बढ़ने से फसलों की बढ़वार बेहतर होगी और सिंचाई पर किसानों की निर्भरता भी कम होगी।

किसानों का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में भी इसी तरह समय-समय पर बारिश होती रही तो खरीफ की फसलों का उत्पादन अच्छा होने की संभावना है। वहीं मौसम में ठंडक घुलने से लोगों को उमस और गर्मी से भी राहत मिली। ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश के बाद खेतों में किसानों की चहल-पहल बढ़ गई और वे फसलों की देखरेख में जुट गए।

दो अलग-अलग गांवो में महिला व बच्चे को सांप ने काटा

दोनो को जिला अस्पताल रेफर किया गया

(यंग भारत न्यूज)

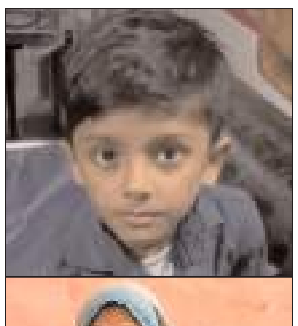

कोंच क्षेत्र में सांप के डसने की दो अलग-अलग घटनाओं से हड़कंप मच गया दोनों घायलों को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।जानकारी के अनुसार तहसील के ग्राम मंगरा में दीप्ति देवी बीती रात अपने घर के कमरे में सो रही थीं। इसी दौरान एक विषैले सांप ने उनके हाथ की उंगली में डस लिया। कुछ ही देर में उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और वह अचेत हो गईं। परिजन तुरंत उन्हें लेकर सीएचसी कोंच पहुंचे। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करते हुए उन्हें एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) इंजेक्शन लगाया। हालत गंभीर होने पर बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

वही दूसरी घटना ग्राम फुलैला की है। गांव का ही निवासी रितिक दिवाकर अपने ताऊ के घर से पैदल वापस अपने घर लौट रहे थे। रास्ते में अचानक एक सांप ने उनके पैर में डस लिया। सांप के काटते ही रितिक मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़े।आसपास मौजूद लोगों और परिजनों ने उन्हें तत्काल सीएचसी कोंच पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।चिकित्सा प्रभारी अनिल शाक्य ने लोगों से अपील की है कि सांप के काटने की स्थिति में झाड़-फूंक या घरेलू उपचार के बजाय पीड़ित को बिना देर किए नजदीकी सरकारी अस्पताल पहुंचाए, ताकि समय पर उपचार मिल सके और जान का खतरा कम हो सके।

योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करें योग प्रशिक्षक - जिलाधिकारी

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनपद में संचालित योग वेलनेस सेंटर एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से आमजन को स्वस्थ जीवनशैली से जोड़ने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में योग प्रशिक्षकों, योग सहायकों एवं अंशकालिक योग सहायकों की बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योग प्रशिक्षक शासन की मंशा के अनुरूप निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करें तथा अधिक से अधिक लोगों को योग के प्रति जागरूक करते हुए नियमित योगाभ्यास से जोड़ें।

जिलाधिकारी ने अंशकालिक पुरुष योग प्रशिक्षकों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक माह हेल्थ वेलनेस सेंटर, विद्यालयों एवं सामुदायिक स्तर पर न्यूनतम एक-एक घंटे की अवधि वाले कुल 32 योग अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इनमें 20 योग अभ्यास कार्यक्रम हेल्थ वेलनेस सेंटरों पर तथा 12 योग अभ्यास कार्यक्रम विद्यालयों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि योग कार्यक्रमों के साथ-साथ प्रत्येक माह विद्यालयों एवं अन्य स्थानों पर कम से कम दो घंटे का आईईसी (सूचना, शिक्षा एवं संचार) आधारित जनजागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया जाए, जिससे आमजन को योग के महत्व एवं उसके स्वास्थ्य लाभों की जानकारी मिल सके। इसके अतिरिक्त सामुदायिक स्तर पर वर्ष में कम से कम दो व्यापक योग जागरूकता अभियान संचालित किए जाएं।जिलाधिकारी ने अंशकालिक महिला योग प्रशिक्षकों को निर्देश दिए कि महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक माह न्यूनतम 20 योग अभ्यास कार्यक्रम एक-एक घंटे की अवधि के साथ आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि महिला समूहों तक योग की पहुंच बढ़ाने के लिए सभी महिला योग प्रशिक्षक आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अन्य योग प्रशिक्षकों के सहयोग से कार्यक्रमों का प्रभावी संचालन करें, जिससे अधिकाधिक महिलाओं को योग से जोड़ा जा सके।जिलाधिकारी ने कहा कि हेल्थ वेलनेस सेंटरों में तैनात अंशकालिक पुरुष एवं महिला योग प्रशिक्षक शासन द्वारा निर्धारित समयावधि एवं दिशा-निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करें। योग कार्यक्रमों का नियमित संचालन, अभिलेखीकरण एवं गुणवत्ता बनाए रखते हुए निर्धारित लक्ष्य समय से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि योग को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षक पूरी निष्ठा, समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, ताकि स्वस्थ, जागरूक एवं निरोगी समाज के निर्माण के उद्देश्य को साकार किया जा सके।इस अवसर पर क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी वरुण गुप्ता, योग प्रशिक्षक पुरुष व महिला आदि मौजूद रहे।

दतिया उपचुनाव में कांग्रेस की जीत पर जालौन में जश्न, कार्यकर्ताओं ने मिठाई खिलाकर बांटी खुशियां

उरई-जालौन सुरक्षित विधानसभा सीट से प्रवल दावेदार कमल दोहरे आवास पर मनाया गया जीत का जश्न

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। दतिया उपचुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद जालौन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ जीत का जश्न मनाया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमल सिंह दोहरे ने वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की और जीत को संगठन की एक बड़ी उपलब्धि बताया।

इस अवसर पर मौजूद नेताओं ने कहा कि दतिया उपचुनाव का परिणाम जनता के विश्वास और कांग्रेस की नीतियों की जीत है। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को बधाई देते हुए मिठाई बांटी और जीत की खुशी साझा की। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने का संकल्प भी लिया गया इस मौके पर प्रमुख रूप से अरविन्द सेंगर (जिलाध्यक्ष), राजकुमार वर्मा, राजीव नारायण मिश्रा, राजू देव राय प्रजापति, डॉ. कमल दोहरे, सिद्धार्थ दिवौलिया, अयूब अंसारी, नरेन्द्र प्रजापति भागे, दुलुचन्द्र विश्वकर्मा,माता प्रसाद, मनमोहन जाटव, जमुनादास अहिरवार, राजपाल भाटिया,आशीष बुन्देला सहित दर्जनों की संख्या संगठन के लोग मौजूद रहे।

यूपी के इस इलाके के लिए योगी सरकार ने खोला खजाना, 2022 में सपा ने दी थी कड़ी टक्कर

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। 2027 की ओर बढ़ती सरकार की निगाहें यूपी के पूरब की ओर हैं। पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनाव में पूर्वांचल में हुए नुकसान को देखते हुए सरकार उस तरफ विकास की लंबी लकीर खींचती दिखाई दे रही है।

अनुपूरक बजट में विकास परियोजनाओं का सबसे बड़ा हिस्सा पूर्वांचल को ही गया है। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने पूर्वांचल की 41 सीटों पर कब्जा किया था। इनमें भाजपा का अपना अकेले का हिस्सा 34 सीटों का था। वहीं, 2022 के विधान सभा चुनाव में सपा ने अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर पूर्वांचल की 31 सीटों पर जीत हासिल कर भाजपा का नुकसान किया था। भाजपा सहयोगी दलों के साथ मिलकर कुल 29 सीटें ही जीत सकी थी। विधानमंडल के दोनों सदनों में मंगलवार को पेश किए बजट में सरकार ने पूर्वांचल पर बड़ा दिल दिखाया है। गंगा एक्सप्रेस-वे को प्रयागराज, मिर्जापुर, वाराणसी, चंदौली होते हुए सोनभद्र तक विन्ध्य एक्सप्रेस-वे का निर्माण किया जाएगा। सरकार ने इसकी जमीन खरीदने और निर्माण के लिए 6500 करोड़ रुपये का इंतजाम किया है। इसके अलावा विंध्य एक्सप्रेस-वे पर सोनभद्र से शुरू होकर चंदौली, गाजीपुर होते हुए लिंक एक्सप्रसे का निर्माण किया जाना है। इसके लिए सरकार ने 2300 करोड़ रुपये का इंतजाम किया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि 2024 के लोकसभा चुनाव में दलितों का एक बड़ा हिस्सा विपक्ष (सपा और कांग्रेस) में शिफ्ट हो गया था। परिणाम इसकी तस्दीक भी करते हैं। लिहाजा सरकार विधान सभा चुनाव में जाने से पहले अनुपूरक में इसे सुलझाते हुए दिख रही है। सरकार ने डॉ. बीआर अंबेडकर मूर्ति विकास योजना में 407 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए हैं। सरकार इस रकम का इस्तेमाल डॉ. अंबेडकर और अन्य दलित महापुरुषों की मूर्तियां लगाने में करेगी। सरकार ने ग्रामीण क्षेत्र के लिए खजाना खोलकर चुनाव में अपनी उम्मीदें बांधी हैं। अनुपूरक की 28 फीसदी रकम ग्राम्य विकास को दी गई है। इसमें वीबी-जीरामजी योजना के लिए 1300 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम प्रस्तावित है। इस योजना के भी सबसे ज्यादा लाभार्थी पूर्वांचल से ही हैं। लिहाजा मनरेगा की जगह लाई गई इस योजना को लेकर सरकार बेहद मुस्तैद दिखाई दे रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को रोजगार मिल सकेगा। अनुपूरक बजट का 70 प्रतिशत हिस्सा योगी सरकार ने बुनियादी परियोजनाओं पर खर्च करने का प्रस्ताव रखा है। तकरीबन 41,620 करोड़ रुपये इनमें खर्च होंगे। रकम का इस्तेमाल प्रदेश में नए लिंक एक्सप्रेस-वे, एक्सप्रेस-वे के किनारे इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, डाटा सेंटर के निर्माण में किया जाएगा। अनुपूरक बजट में जेवर एयरपोर्ट को गंगा एक्सप्रेस-वे से जोड़ने के लिए 250 करोड़ रुपये का प्रस्ताव है। आगरा एक्सप्रेस-वे को गंगा एक्सप्रेस-वे से जोड़ने के लिए 400 करोड़ रुपये, विन्ध्य एक्सप्रेस-वे के निर्माण के लिए 6500 करोड़ रुपये का प्रस्ताव अनुपूरक बजट में दिया गया है। सामान्य वर्ग के आश्रित छात्रों को दशमोत्तर छात्रवृति के लिए 155 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च प्रस्तावित किया है। युवाओं के कौशल विकास के लिए 31 राजकीय पॉलिटेक्निक में बनाए जा रहे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए 382 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा है। राजकीय पॉलिटेक्निक के लिए 101 करोड़ रुपये का प्रावधान है। ग्राम पंचायत और वार्ड स्तर पर छात्रों के लिए डिजिटल लाइब्रेरी बनाई जाएगी। गांवों में सोलर लाइटें लगवाने के लिए सरकार मुख्यमंत्री ग्राम सौर योजना शुरू कर रही है।

इंसानियत शर्मसार! खूबसूरत युवती संग भतीजा करता रहा दरिंदगी, जब हुई प्रेग्नेंट; तो पंचायत ने भी किया 'कांड'

(यंग भारत न्यूज)

एक महिला संग उसके भतीजे ने दुष्कर्म किया, और जब वह प्रेग्नेंट हो गई, तो आरोपी फरार हो गया. इस अपराध की शिकायत जब महिला ने पंचायत से की, तो पंचायत ने उसे इंसाफ देने की बजाय उससे कथित रूप से थूक चटवाया गया. इस खबर ने लोगों को हैरान कर दिया. चलिए जानते हैं पूरा मामला.

बिहार के बेगूसराय जिले से एक दुष्कर्म पीड़िता के साथ कथित तौर पर पंचायत में अमानवीय व्यवहार किए जाने का मामला सामने आया है. पीड़िता का आरोप है कि उसके साथ दुष्कर्म करने वाला आरोपी रिश्ते में उसका भतीजा है. घटना के बाद जब उसने न्याय की मांग की, तो गांव में पंचायत बुलाई गई. हालांकि, न्याय दिलाने के बजाय पंचायत में उसे कथित रूप से अपमानित किया गया और उससे थूक चटवाया गया. पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि वह गर्भवती है और घटना के बाद से आरोपी फरार है. पीड़िता और उसके परिजनों ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है. इस मामले की जानकारी जब पुलिस को लगी, तो उन्होंने पीड़िता की शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है. पुलिस का कहना है कि मामले के हर पहलू की निष्पक्ष जांच की जाएगी. साथ ही, पंचायत में पीड़िता के साथ कथित रूप से हुए अपमानजनक व्यवहार की भी जांच की जा रही है. यदि जांच के दौरान आरोप सही पाए जाते हैं, तो इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी. पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और जांच में सहयोग करने की अपील की है. फिलहाल पूरे मामले की गंभीरता से जांच जारी है. आरोपी की गिरफ्तारी और जांच पूरी होने के बाद ही घटना से जुड़े सभी तथ्य स्पष्ट हो सकेंगे.

पति ने पत्नी को छोड़कर उसकी सहेली संग बसाया घर. ठीक 1 साल बाद हुआ ऐसा कि सब दंग रह गए!

(यंग भारत न्यूज)

समय से बड़ा कोई न्यायाधीश नहीं होता। इंसान चाहे जितना भी चतुर क्यों न हो, उसके कर्मों का फल एक न एक दिन जरूर मिलता है। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसी कहानी तेजी से वायरल हो रही है, जिसने लाखों लोगों को भावुक भी किया है और सोचने पर भी मजबूर कर दिया है। यह कहानी एक ऐसी महिला की है, जिसे उसके पति ने उसकी ही सबसे करीबी सहेली के लिए छोड़ दिया। पति के जाने के बाद महिला की जिंदगी पूरी तरह बिखर गई। आर्थिक तंगी इतनी बढ़ गई कि सिर से छत छिनने की नौबत आ गई। लेकिन ठीक एक साल बाद उसकी किस्मत ने ऐसा पलटा खाया कि देखते ही देखते वह करोड़पति बन गई। हालांकि इस वायरल कहानी के कई दावे सोशल मीडिया पर किए जा रहे हैं, लेकिन इन दावों की स्वतंत्र रूप से आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। इसलिए इसे वायरल दावों के आधार पर ही देखा जाना चाहिए।वायरल पोस्ट के अनुसार यह मामला अमेरिका के कोलंबिया क्षेत्र से जुड़ा बताया जा रहा है। महिला अपने पति और बेटी के साथ सामान्य और खुशहाल जीवन जी रही थी। परिवार में किसी चीज की कमी नहीं थी। उसकी एक बेहद करीबी सहेली भी थी, जिसे वह

अपनी बहन की तरह मानती थी। दोनों के बीच गहरा विश्वास था और अक्सर एक-दूसरे के घर आना-जाना होता था। लेकिन इसी दौरान महिला के पति और उसकी सहेली के बीच नजदीकियां बढ़ने लगीं। शुरुआत में किसी को इस रिश्ते की भनक तक नहीं लगी। धीरे-धीरे दोनों का संबंध इतना गहरा हो गया कि पति ने अपनी पत्नी और बेटी को छोड़ने का फैसला कर लिया।वायरल दावे के अनुसार 17 जनवरी 2022 को महिला का पति अपनी प्रेमिका के साथ घर छोड़कर चला गया। इस घटना ने महिला की पूरी दुनिया हिला दी। एक ही दिन में उसका परिवार टूट गया। पति के जाने के बाद महिला अकेले अपनी बेटी की जिम्मेदारी संभालने लगी। मानसिक तनाव के साथ-साथ आर्थिक संकट भी उसके सामने खड़ा हो गया। घर का खर्च, बेटी की पढ़ाई और बैंक का कर्ज-सब कुछ एक साथ उसके कंधों पर आ गया। पति के घर छोड़ने के बाद महिला की आय का मुख्य स्रोत खत्म हो गया। धीरे-धीरे उसकी जमा पूंजी खत्म होने लगी। जो बचत वर्षों की मेहनत से इकट्ठी की थी, वह घर के कर्ज और रोजमर्रा के खर्चों में खत्म हो गई। स्थिति इतनी खराब हो गई कि जिस घर में वह अपनी बेटी के साथ रहती थी, वही नीलामी के कगार पर पहुंच गया। बैंक का कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा था और किश्तें भरना मुश्किल होता जा रहा था। बताया जाता है कि आर्थिक परेशानियों के कारण उसकी बेटी की पढ़ाई भी प्रभावित हुई और उसे अपनी शिक्षा बीच में रोकनी पड़ी। वायरल कहानी के अनुसार कठिन समय के दौरान महिला ने कुछ लॉटरी टिकट खरीदे थे। उसने यह टिकट किसी बड़ी उम्मीद के साथ नहीं, बल्कि सामान्य रूप से खरीद लिए थे। सबसे हैरान करने वाली बात यह बताई जा रही है कि जिस तारीख को पति उसे छोड़कर गया था, ठीक उसी तारीख यानी 17 जनवरी 2023 को महिला की किस्मत पूरी तरह बदल गई।बताया जाता है कि उसकी दो लॉटरी टिकट एक साथ जीत गईं। इन दोनों टिकटों के जरिए उसे करीब 2 लाख 68 हजार पाउंड की राशि मिली, जिसकी भारतीय मुद्रा में कीमत लगभग 2.7 करोड़ रुपये बताई जा रही है। सोशल मीडिया पर वायरल दावों में इसे कोलंबिया के इतिहास की सबसे बड़ी लॉटरी जीतों में से एक बताया जा रहा है, हालांकि इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध नहीं है। सबसे पहले उसने अपने घर का पूरा कर्ज चुकाया। इसके बाद अपनी बेटी की पढ़ाई दोबारा शुरू कराई। आर्थिक सुरक्षा मिलने के बाद उसने भविष्य के लिए भी अच्छी-खासी बचत कर ली। जो महिला कुछ महीने पहले तक अपने घर को बचाने के लिए संघर्ष कर रही थी, वह अचानक आर्थिक रूप से पूरी तरह सुरक्षित हो गई। इस कहानी का सबसे चर्चित हिस्सा तब सामने आता है जब महिला की लॉटरी जीतने की खबर उसके पूर्व पति तक पहुंचती है।

'तुम मेरी नहीं हुई तो किसी और भी नहीं होने दूंगा', फरीदाबाद के स्कूल में टीचर की 34 सेकंड में 30 बार चाकू से गोदकर हत्या

(यंग भारत न्यूज)

सिक्रोना में सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल की क्लासरूम मंगलवार को शांत था। गेट बंद थे। यहां हर कोई बस एक दिन पहले हुई वारदात की चर्चा कर रहा था। बच्चों के चेहरे पर भी खौफ था।

मास्क पहने एक 21 साल के युवक ने स्कूल के अंदर घुसा और उसने दिन-दहाड़े एक टीचर को क्लासरूम से बाहर खींचा। उसके बाद टीचर पर चाकू से ताबड़तोड़ वार करने शुरू कर दिए। उसने टीचर को 34 सेकंड में 30 बार चाकू से मारा। हरियाणा के फरीदाबाद के डबुआ में जन्मी संध्या ने सात साल पहले लव मैरिज की थी और अपने पति विकास 'विकी' करहाजा के साथ पास के सिक्रोना में रहने लगी थीं। सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आने से पहले उन्होंने इलाके के कई प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाया था। पड़ोस के कोट गांव का रहने वाला अमित सुबह करीब 9:40 बजे स्कूल पहुंचा, संध्या को उसके क्लासरूम से बाहर खींचकर ले गया और चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी, फिर मोटरसाइकिल से भाग गया। उसे दो घंटे के अंदर ही गिरफ्तार कर लिया गया। संध्या के परिवार के मुताबिक, अमित कोट के उसी स्कूल का पूर्व छात्र था जहाँ संध्या पहले पढ़ाती थी। कहा जाता है कि संध्या ने उसकी दोस्ती की कोशिशों को ठुकरा दिया था और उससे बात करना बंद कर दिया था। विकास नाम के एक ड्राइवर ने बताया कि 9 महीने पहले, जब लड़की ने उसे मना कर दिया और उससे बात करना बंद कर दिया, तो वह उसका पीछा करने लगा। लड़की ने पुलिस में शिकायत की, लेकिन उसके रिश्तेदार हाथ जोड़कर हमारे पास आए और केस आगे न बढ़ाने की गुज़ारिश की। उन्होंने वादा किया कि वे लड़के को समझा-बुझाकर ठीक कर लेंगे, इसलिए हमने मामला छोड़ दिया। लेकिन मामला यहीं खत्म नही हुआ तीन महीने बाद, जब अमित ने कथित तौर पर संध्या को फिर से परेशान करना शुरू किया, तो परिवार ने दोबारा उसके रिश्तेदारों से संपर्क किया। विकास ने कहा कि इस बार मैं उसके घर गया। उसके परिवार ने फिर से वही भरोसा दिलाया और हमने एक बार फिर मामला आगे नहीं बढ़ाया। उसके चचेरे भाई पवन कुमार ने बताया कि एक महीने पहले अमित ने सारी हदें पार कर दी थीं। उसने विक्की को जान से मारने की धमकी दी थी। उसने कहा, 'अगर वह मेरी नहीं हो सकती, तो मैं उसे तुम्हारी भी नहीं होने दूंगा।'संध्या का एक 5 साल का बेटा और तीन साल की बेटी है। संध्या की मां ने बताया कि वह हमेशा से टीचर बनना चाहती थी। अपनी पसंद की चीज पाने के मामले में वह जिद भी करती थी। उन्होंने कहा कि हमने उस पर शादी करने का कोई दबाव नहीं डाला था। उसने विकास को खुद चुना और उन्होंने कोर्ट में शादी की।

मुस्लिम ऑटो ड्राइवर को क्यों बीच सड़क हिंदू ने 13 बार काट डाला? नारियल की तरह खोल दी खोपड़ी!

(यंग भारत न्यूज)

हैदराबाद से रूह कंपाने वाली घटना सामने आई हैं। यहां एक 40 साल के ऑटो ड्राइवर की 13 बार धारदार हथियार से काटकर हत्याकर दी गई। बीच सड़क हुई इस खौफनाक हत्या ने पूरे शहर को खौफ में डाल दिया।वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि ऑटो ड्राइवर सड़क पर खून से लथपथ पड़ा था। हत्यारे ने पहले 10 बार वार किए गए।

इससे भी दिल नहीं भरा तो, तीन बार और वार किए। हमला इतना बर्बर था कि ऑटो ड्राइवर की खोपड़ी नारियल की तरह फटी नजर आई। खून से लथपथ ऑटो ड्राइवर को पास के प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हत्या के आरोपी की तलाश में पुलिस की टीमें लगी हुई हैं। आइए विस्तार से जानते हैं कि कौन था हमलावार ? क्यों हुई हत्या ? मामला सैदाबाद पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत सिंगरेनी कॉलोनी का है। यहां मंगलवार (4 अगस्त 2026) को दिनदहाड़े 40 वर्षीय फसी अहमद उर्फ आमेर (ख्रड्डद्धद्ब द्धद्दद्गस्र ग्द्बड्डह्व द्दद्गह) की सुमन ने खौफनाक हत्या कर दी गई। आसपास लोग मौजूद थे, दुकानें खुली थीं, आम जिंदगी चल रही थी। फिर भी हमलावर सुमन ने बिना किसी हिचक के धारदार हथियार चलाना शुरू कर दिया। गवाहों और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियोज से साफ है कि हमले के दौरान आसपास मौजूद लोग या तो डर के मारे दूर खड़े रहे या दखल देने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। पीड़ित आमेर को कई गंभीर चोटें आईं। हथियार के वार शरीर के कई हिस्सों पर हुए। खासतौर पर सिर पर हुए हमले इतने भीषण थे कि खोपड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। नारियल काटने वाला धारदार हथियार, जो सामान्यत: फलों की दुकानों पर इस्तेमाल होता है, इस बार जानलेवा हथियार बन गया। हमले के तुरंत बाद हमीर को नजदीकी प्राइवेट अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया, लेकिन चोटें इतनी गंभीर थीं कि उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

अखिलेश की हत्या के लिए सुधीर दुबे ने नागालैंड से मंगवाई थी एके-47; जानिए सुजीत सिन्हा गिरोह का पूरा सच

(यंग भारत न्यूज)

जमशेदपुर। पुलिस मुठभेड़ में मारे गए कुख्यात गैंगस्टर सुजीत सिन्हा का आपराधिक साम्राज्य सिर्फ सड़कों और गलियों तक सीमित नहीं था। जमशेदपुर की घाघीडीह सेंट्रल जेल में बंद रहने के दौरान भी वह सलाखों के पीछे से ही अपने खौफनाक गैंग की कमान संभालता रहा।

हत्या की साजिशें रचना, कारोबारियों से रंगदारी वसूलना, अत्याधुनिक हथियारों की खरीद-बिक्री करना, शूटरों को नए निर्देश देना और पूरे आपराधिक नेटवर्क को संचालित करने का यह खतरनाक खेल जेल के भीतर से ही बेखौफ चलाया जाता था। जेल के अंदर से लगातार आपराधिक गतिविधियां संचालित होने की शिकायतों के बाद परसुडीह थाना पुलिस ने सुजीत सिन्हा को रिमांड पर लेकर कड़ाई से पूछताछ की थी। तीन दिनों की गहन पूछताछ के दौरान उसने ऐसे-ऐसे सनसनीखेज खुलासे किए, जिन्हें सुनकर पुलिस अधिकारी भी दंग रह गए थे। जेल में छापेमारी के दौरान उसके पास से 12 से अधिक मोबाइल सिम कार्ड जब्त किए गए थे, जो दूसरों के नामों पर फर्जी तरीके से जारी कराए गए थे।पुलिस रिमांड के दौरान सुजीत सिन्हा ने खुलासा किया था कि कुख्यात अपराधी अखिलेश सिंह की हत्या की पूरी योजना उसके ही एक पूर्व करीबी सुधीर दुबे ने बनाई थी। सुधीर दुबे मूल रूप से बिहार के बक्सर जिले के कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र स्थित ढकाइच का निवासी है। इस हाई प्रोफाइल हत्या को अंजाम देने के लिए नागालैंड से एक एके-47 राइफल और चार अत्याधुनिक पिस्तौलें मंगाई गई थीं। इन पिस्तौलों में दो बरेटा और दो 200 जेड कंपनी की पिस्तौलें शामिल थीं, जिन्हें लगभग साढ़े तीन-तीन लाख रुपये की भारी-भरकम राशि में खरीदा गया था। सुजीत द्वारा किए गए इस बड़े खुलासे के बाद पुलिस तुरंत हरकत में आई और पूरी साजिश को समय रहते पूरी तरह विफल कर दिया। वर्तमान में कुख्यात अखिलेश सिंह दुमका जेल में बंद है। पुलिस के अनुसार, सोनारी निवासी अमित सिंह की हत्या और साकची में हुई गोलीबारी समेत सुधीर दुबे के खिलाफ एक दर्जन से अधिक संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। कभी अखिलेश सिंह का सबसे करीबी और भरोसेमंद सहयोगी रहा सुधीर बाद में गिरोह के वर्चस्व और विवाद के कारण उसका सबसे बड़ा दुश्मन बन गया था। घाघीडीह जेल के भीतर से गिरोह का संचालन करने, हत्याओं की योजना बनाने और व्यवसायियों से रंगदारी मांगने के इस गंभीर मामले में सीआईडी के तत्कालीन डीएसपी अनिमेष गुप्ता ने नवंबर 2019 में परसुडीह थाने में एक औपचारिक प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

अपहरण के बाद 2 दिन घर में रखकर रेप किया; भीड़ ने युवक को जिंदा नहीं छोड़ा

(यंग भारत न्यूज)

चतरा जिला के टंडवा थाना क्षेत्र में मंगलवार को हुई हिंसक घटना में एक युवक की भीड़ द्वारा कथित रूप से बेरहमी से पिटाई किए जाने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान 25 वर्षीय मो. एमरोज (25) के रूप में हुई। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है। पुलिस ने मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए अब तक 8 लोगों को गिरफ्तार किया है और अन्य आरोपितों की पहचान की जा रही है।

ग्रामीणों के अनुसार रविवार रात 10 बजे युवक ने एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर लिया था। अपहरण के बाद नाबालिग को दो दिनों तक अपने घर में रखा और उसके साथ दुष्कर्म किया। परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की लेकिन वह नहीं मिली। बताया जाता है कि आरोपी के घर वालों से भी नाबालिग छात्रा के बारे में पूछताछ की गई लेकिन किसी ने कुछ नहीं बताया। इसके बाद मंगलवार की सुबह करीब 2 बजे छात्रा अपने घर पहुंची, जहां उसने पूरा घटनाक्रम परिजनों को बताया। इसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण आरोपी के घर पहुंच गए। आरोप है कि लोगों की भीड़ ने युवक को घर से बाहर निकालकर सड़क पर लाठी-डंडों और पत्थरों से जमकर पीटा। मृतक के परिजनों का आरोप है कि एक कथित घटना की सूचना फैलने के बाद बड़ी संख्या में लोग उनके घर पहुंचे और युवक को जबरन बाहर निकालकर लाठी-डंडों, पत्थरों एवं अन्य वस्तुओं से मारपीट की। परिजनों का यह भी आरोप है कि युवक को बचाने पहुंचे परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भी मारपीट की गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस के पहुंचने के बाद भी मारपीट जारी रही। इन सभी आरोपों की जांच की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एक नाबालिग बालिका के साथ कथित दुष्कर्म की सूचना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और स्थिति हिंसक हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तथा युवक को भीड़ से निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट और नाबालिग की मेडिकल जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल प्राथमिकी दर्ज कर पूरे घटनाक्रम की गहन जांच की जा रही है।पुलिस के अनुसार मृतक के विरुद्ध पूर्व में पॉक्सो अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज था। हालांकि पुलिस ने स्पष्ट किया कि किसी भी व्यक्ति का आपराधिक इतिहास कानून अपने हाथ में लेने का आधार नहीं बन सकता। दोषियों को सजा देना न्यायालय का अधिकार है, न कि भीड़ का। पुलिस ने बताया कि घटना के संबंध में अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वीडियो फुटेज तथा अन्य तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्यों के आधार पर अन्य आरोपितों की पहचान कर गिरफ्तारी की कार्रवाई जारी है। थाना प्रभारी ने बताया कि वीडियो फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान तथा अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों की पहचान की जा रही है। सभी दोषियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच की जा रही है तथा किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं, बिहार के बेगूसराय में भरी पंचायत में एक महिला के साथ अमानवीय व्यवहार का मामला सामने आया है। रेप पीड़िता से भरी पंचायत में कान पकड़वाकर थूक चटवाया गया।

अलेक्जेंड्रा ने जीता पहला डब्ल्यूटीए एकल खिताब

वॉशिंगटन। अलेक्जेंड्रा एला ने जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-0 से हराकर कैरियर का पहला डब्ल्यूटीए टूर खिताब जीत लिया। भारी बारिश के कारण महिला एकल फाइनल दो दिन तक चला। अलेक्जेंड्रा डब्ल्यूटीए टूर पर एकल खिताब जीतने वाली फिलीपीन की पहली खिलाड़ी बन गई। पुरुष फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने रफाएल जोडार को 7-6, 6-4 से हराया।

टेस्ट क्रिकेट के परिपक्व गेंदबाज है जडेजा : पुजारा

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि रक्षात्मक गेंदबाज से हमेशा विकेट की तलाश करने वाले आक्रामक गेंदबाज बनने से रविंद्र जडेजा टेस्ट क्रिकेट में और परिपक्व गेंदबाज बने हैं। पुजारा ने श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से शुरू हो रही टेस्ट श्रृंखला से पहले कहा,' इससे पहले जब रविंद्र जडेजा गेंदबाजी करते थे तो मकसद रन बचाना होता था, खासकर टेस्ट क्रिकेट में। अगर पिच से मदद मिल रही है तो वह विकेट लेने की कोशिश करते थे। लेकिन अगर विकेट मददगार नहीं है तो उनका फोकस रन रोकना होता था।' पुजारा ने कहा,' उसे अपनी ताकत पता है और उसी के अनुरूप गेंदबाजी करता है। हर मैच में वह स्टम्प पर गेंद डालकर विकेट लेने की कोशिश करता है।

आकिब की सबसे बड़ी ताकत तेज रफ्तार नहीं : पठान

नई दिल्ली। भारत के पूर्व हरफनमौला इरफान पठान का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने जा रहे जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी की सबसे बड़ी ताकत तेज रफ्तार नहीं, बल्कि शीर्ष बल्लेबाजों को रक्षात्मक बल्लेबाजी के दौरान गलती करने पर मजबूर करने की क्षमता है। पठान ने कहा, 'गेंद को स्विंग कराने के लिए आदर्श रफ्तार लगभग 135 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। अगर आप गेंद को देर से स्विंग करा सकते हैं तो आप सफल हो सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'उसकी लय और गेंदबाजी एक्शन को देखते हुए मेरा मानना है कि वह नियमित रूप से 133-135 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार हासिल कर सकता है।'

चेन्नई ओपन के लिए तमिलनाडु सरकार ने 10 करोड़ रुपये मंजूर किए

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने चेन्नई ओपन डब्ल्यूटीए 250 टेनिस टूर्नामेंट के आयोजन के लिए मंगलवार को 10 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता मंजूर कर दी, जिससे इस वर्ष नवंबर में प्रतियोगिता के आयोजन का मार्ग प्रशस्त हो गया। यह निर्णय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय और तमिलनाडु टेनिस संघ (टीएनटीए) के अध्यक्ष विजय अमृतराज के बीच हुई बैठक में लिया गया। पीटीआई को मिली जानकारी के अनुसार, टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए आवश्यक अतिरिक्त 10 करोड़ रुपये की राशि प्रायोजकों के माध्यम से जुटाई जाएगी। हार्ड कोर्ट पर खेला जाने वाला यह टूर्नामेंट दो से आठ नवंबर तक नुंगमबक्कम स्थित एसडीएटी टेनिस स्टेडियम में आयोजित होगा।

कैनेडियन ओपन : 39 की उम्र में मॉनफिल्स का धमाका, रिकॉर्ड जीत के साथ दूसरे दौर में

एजेंसी ▶▶ मॉन्ट्रियल

गेल मॉनफिल्स ने पोलैंड के कामिल माजच्रजाक को 6-4, 6-4 से हराकर कैनेडियन ओपन के दूसरे राउंड में जगह बनाई और एक टेनिस प्रो के तौर पर मॉन्ट्रियल में अपने आखिरी दौर को आगे बढ़ाया। यह अप्रैल में मोंटे-कार्लो के बाद उनकी पहली टूर-लेवल जीत थी।

कैनेडियन एटीपी मास्टर्स 1000 में अपना 15वां और आखिरी मैच खेलते हुए, मोनफिल्स इस इवेंट में मैच जीतने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। 1 सितंबर को वह 40 साल के हो जाएंगे। इस फ्रांसीसी खिलाड़ी से ज्यादा बार इस इवेंट में सिर्फ जॉन मैकनरो और मिखाइल यूजनी (दोनों 16 बार) ने हिस्सा लिया है।

> जीत के बाद मॉनफिल्स ने कहा, इस माहौल के लिए शुक्रिया, यहां आने के लिए शुक्रिया, दिल से शुक्रिया, आप लोग कमाल के हैं।

25वीं जीत दर्ज करने वाले नौवें खिलाड़ी बने मॉनफिल्स

ओपन एरा में इस इवेंट में 25 जीत (25-13) दर्ज करने वाले सिर्फ नौवें खिलाड़ी बने मॉनफिल्स ने एटीपी मास्टर्स 1000 लेवल पर कुल 146 जीत दर्ज की है,जो बिना मास्टर्स 1000 टाइटल जीते किसी भी खिलाड़ी की सबसे ज्यादा जीत है। मॉन्ट्रियल में वाइल्ड कार्ड एंट्री पाने वाले इस खिलाड़ी ने पूरे मैच के दौरान दर्शकों का मनोरंजन किया। मोनफिल्स ने अपनी दूसरी कोशिश में मैच जीता और दोनों सेट में अपनी मजबूत सर्विस का फायदा उठाया। एटीपी आंकड़ों के मुताबिक, पहली सर्विस पर उनकी जीत का प्रतिशत 84 (26/31) रहा।

अब अमेरिका के लर्नर टिएन से मुकाबला

दूसरे राउंड में उनका सामना टूर्नामेंट के नंबर 12 सीड, अमेरिकी लर्नर टिएन से होगा। वहीं, मारियानो नवोन ने मार्टेओ बेरेटिनी के खिलाफ 6-3, 6-7(5), 6-3 से जीत हासिल करके अपना पर्सनल रिकॉर्ड बनाया। 2026 में अपनी 19वीं जीत के साथ, नवोन ने एक सीजन में सबसे ज्यादा जीत का अपना पर्सनल-बेस्ट रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले पिछले दो सालों में उन्होंने हर साल 18 जीत हासिल की थीं। एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने बेरेटिनी के खिलाफ 12 में से 11 ब्रेक पॉइंट बचाए और अब वे पिछले पांच एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में से चार में दूसरे दौर में पहुंच गए हैं। दुनिया के नंबर 41 खिलाड़ी के खिलाफ उनकी यह जीत, एटीपी रैंकिंग में टॉप 50 खिलाड़ियों में से किसी एक के खिलाफ हार्ड-कोर्ट पर उनकी दूसरी जीत है।

भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट गॉल में 15 अगस्त से

श्रीलंका दौरे के लिए टीम इंडिया रवाना साई सुदर्शन की फिटनेस पर सस्पेंस

नई दिल्ली

भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज 15 अगस्त से शुरू होने वाली है। इससे पहले, टीम इंडिया 7 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ एक प्रैक्टिस मैच खेलेगी। भारतीय टीम 4 अगस्त को श्रीलंका के लिए मुंबई से रवाना हुई। हालांकि, ध्यान देने वाली बात यह है कि 15 भारतीय खिलाड़ियों में से केवल 14 ही यात्रा कर पाए, जबकि एक खिलाड़ी भारत में ही रह गया। वह खिलाड़ी कोई और नहीं बल्कि बाएं हाथ के बल्लेबाज साई सुदर्शन हैं। उन्हें एयरपोर्ट पर टीम के साथ नहीं देखा गया। अब सवाल यह उठता है कि सुदर्शन भारतीय टीम के साथ क्यों नहीं गए? जब टीम की घोषणा की गई थी, तो बीसीसीआई ने कहा था कि सीरीज में सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह दोनों की भागीदारी उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी। बुमराह फिटनेस टेस्ट पास करने में विफल रहे और भारतीय बोर्ड ने उनकी जगह आकिब नबी का नाम शामिल किया, लेकिन सुदर्शन को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है।

राहुल-यशस्वी ने नेट पर किया स्पिनरों का सामना

भारतीय क्रिकेट टीम के श्रीलंका दौरे के लिए रवाना होने से पहले केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ने मुंबई में खास ट्रेनिंग की। उन्होंने एक एकेडमी में जाकर अलग-अलग तरह के स्पिनर्स की गेंदों का सामना किया। श्रीलंका में दो टेस्ट की सीरीज के दौरान स्पिनर्स का बोलबाला रहने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में राहुल और जायसवाल ने स्पिनरों की गेंदों का खूब सामना किया। उन्होंने हर तरह के स्पिनर्स को खेला। यह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2027 के लिहाज से अहम सीरीज रहने वाली है। ऐसे में भारत के ओपनर्स केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ने मुंबई में बैटिंग प्रैक्टिस की।

बीसीसीआई के फैसले पर टिकी नजर

बुमराह के रिप्लेसमेंट की घोषणा करते समय भी, बीसीसीआई ने दोहराया कि सुदर्शन की भागीदारी अभी भी उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी। यह देखना दिलचस्प होगा कि बीसीसीआई इस पर क्या फैसला लेता है। सुदर्शन के अब तक के टेस्ट करियर को देखें तो उन्होंने 7 मैच खेले हैं। 12 पारियों में उन्होंने 31.91 की औसत से 383 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 87 रन है।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

3-दिवसीय वार्म-अप मैच
7 अगस्त से

पहला टेस्ट
15 से 19 अगस्त, गाले इंटरनेशनल स्टेडियम, गाले

दूसरा टेस्ट
23 से 27 अगस्त, सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब, कोलंबो

लुसाने डायमंड लीग

नीरज के सामने एक बार फिर पथिरागे और नदीम की चुनौती

21 अगस्त को होगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा 21 अगस्त को लुसाने डायमंड लीग में राष्ट्रमंडल चैंपियन और इस सत्र में सबसे आगे चल रहे श्रीलंका के रूमेश पथिरागे का सामना करना पड़ेगा। इस टूर्नामेंट में ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में भाग ले चुके पांच खिलाड़ी नजर आएंगे।

ग्लास्गो में सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके 85.83 मीटर का थ्रो फेंकने वाले चोपड़ा का सामना ओलंपिक चैंपियन पाकिस्तान के अरशद नदीम, मौजूदा विश्व चैंपियन त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकाट और पूर्व विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स से होगा।

तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता चेक गणराज्य के याकूब वालेश, जर्मनी के जूलियन वेबर, स्विटजरलैंड के सिमोन वीलैंड और अमेरिका के कुर्टिस थॉम्पसन भी इसमें नजर आएंगे।

पांच सुपरस्टार टूर्नामेंट में लेंगे भाग

आयोजकों ने कहा, पिछले चार ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप जीत चुके भालाफेंक के पांच सुपरस्टार 21 अगस्त को इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे। चोट से उबरने के बाद यह चोपड़ा का तीसरा टूर्नामेंट होगा। वह जून में दोहा डायमंड लीग में 86.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। पथिरागे ने राष्ट्रमंडल खेलों में 89.75 मीटर का थ्रो फेंककर पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने जून में कोलंबो वाला फिट्ज मेनिया में 92.32 मीटर का थ्रो लगाया था।

आईसीसी महिला टी-20 रैंकिंग

सर्वश्रेष्ठ छठी पोजीशन पर श्रीलंका की कप्तान चमारी

दुबई

आईसीसी ने महिला टी20 रैंकिंग जारी की है। इसमें श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू और इमेशा दुलानी को बड़ा फायदा हुआ है। दोनों ने पाकिस्तान के खिलाफ श्रीलंका की टी20 सीरीज में 2-1 जीत में बड़ी भूमिका निभाई है। दुलानी प्लेयर ऑफ द सीरीज रही थीं। महिला टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में श्रीलंका की कप्तान चमारी पाकिस्तान के खिलाफ अपनी टीम को टी20 सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ छठी पोजीशन पर पहुंच गई हैं। पाकिस्तान के खिलाफ पहले टी20 मैच में अथापथु ने 39 और दूसरे मैच में 40 रन बनाए थे।

बल्लेबाजी रैंकिंग में 33 स्थान ऊपर चढ़ी इमेशा

इमेशा दुलानी को भी पाकिस्तान के खिलाफ पहले टी20 में 101 रन की पारी खेलने का बड़ा फायदा हुआ। पहले टी20 शतक की मदद से दुलानी बल्लेबाजी रैंकिंग में 33 स्थान ऊपर चढ़कर करियर की सर्वश्रेष्ठ 23वीं पोजीशन पर पहुंच गईं।

बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप

सिंधू को नौवीं, सात्विक चिराग को पांचवीं वरीयता

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू को आगामी बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के लिए नौवीं वरीयता दी गई है जबकि पुरुष युगल टीम सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को पांचवीं वरीयता मिली है। इंदिरा गांधी स्टेडियम पर 17 से 23 अगस्त तक यह चैंपियनशिप खेली जाएगी। सिंधू ने जापान ओपन टूर्नामेंट जीता है जबकि सात्विक और चिराग 2022 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हैं। भारत ने पांचों वर्गों में दो प्रविष्टियां भेजी है। सिंधू, सात्विक-चिराग के अलावा पूर्व विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को पुरुष एकल में 14वीं वरीयता है जबकि मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो को 15वीं वरीयता मिली है। पुरुष एकल विश्व चैंपियन चीन की शि युकी और दक्षिण कोरिया की महिला एकल स्टार आन से यंग को शीर्ष वरीयता मिली है। महिला एकल विश्व चैम्पियन अकाने यामागुची को दूसरी जबकि चीन की वांग झि यि को तीसरी और चेन युफेई को चौथी वरीयता दी गई है।

दूसरा टेस्ट: वेस्टइंडीज के खिलाफ पाकिस्तान की स्थिति मजबूत

पोर्ट आफ स्पेन

अब्दुल्ला शफीक और बाबर आजम के बीच तीसरे विकेट की 168 रन की अटूट साझेदारी के दम पर पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन अपनी स्थिति मजबूत कर ली। वेस्टइंडीज ने 5 विकेट पर 239 रन से आगे खेलते हुए पहली पारी में 344 रन बनाए। अजान अवैस (55) ने पाकिस्तान को अच्छी शुरुआत दी, जिसके बाद शफीक और बाबर की साझेदारी के दम पर पाकिस्तान ने दो विकेट पर 266 रन बना लिए। शफीक 107 रन बनाकर और कप्तान बाबर 86 रन बनाकर खेल रहे हैं।

वेस्टइंडीज ने जीता था पहला टेस्ट

वेस्टइंडीज ने पहला टेस्ट 90 रन से जीता था। अवैस ने इमामुल हक (14) के साथ पहले विकेट के लिए 34 रन जोड़े थे। इसके बाद शफीक के साथ दूसरे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी की। वह जोमेल वारिकन की गेंद पर स्वीप शॉट खेलने के प्रयास में पगबाधा आउट हुए। इसके बाद बाबर ने शफीक के साथ 139 गेंद में 100 रन की साझेदारी की। शफीक ने दो साल में पहला शतक 173 गेंद में लगाया। पिछला शतक उन्होंने अक्टूबर 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ लगाया था।

जर्सी विवाद : हॉकी इंडिया ईडी ने नहीं दिया अध्यक्ष को जवाब

महासचिव ने की आपात बैठक की मांग

नई दिल्ली

भारतीय टीमों की जर्सी का रंग बदले जाने के बाद हॉकी इंडिया में चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा और अध्यक्ष दिलीप टिर्की द्वारा दी गई समय सीमा के भीतर कार्यकारी निदेशक कमांडर आर के श्रीवास्तव ने जवाब नहीं भेजा है जबकि हॉकी इंडिया महासचिव ने कार्यकारी बोर्ड की आपात बैठक बुलाने की मांग की है। टिर्की ने मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भेजे गए ईमेल में श्रीवास्तव से शाम पांच बजे तक यह संबंधित दस्तावेज देने के लिये कहा था। उन्होंने दोपहर में भेजे गए ईमेल में कहा था,''इस मामले में कमांडर द्वारा कार्यकारी बोर्ड के समक्ष रखे गए स्पष्टीकरण के संदर्भ में यह स्पष्ट किया जाता है कि दस्तावेजी सबूतों के साथ जवाब देने का निर्देश लागू है और इसे वापिस नहीं लिया गया है।'' इसमें कहा गया,''कमांडर को आज शाम तक सभी सहायक दस्तावेज जमा करने होंगे। हॉकी इंडिया की प्रतिष्ठा और इसकी प्रशासनिक प्रक्रियाओं की ईमानदारी से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

कोरिया मास्टर्स : भारतीय जोड़ी ने किया उलटफेर, दूसरे दौर में एंट्री

कृष्ण-पृथ्वी ने सिर्फ 42 मिनट में थाई जोड़ी को हराया

आसान

कृष्ण प्रसाद गारगा और पृथ्वी कृष्णामूर्ति राय ने चेलोमपोल चेरोनकितामोर्न और वोरापोल थोंग्सा एनगा की थाईलैंड की छठी वरीय जोड़ी को सीधे गेम में हराकर उलटफेर करते हुए कोरिया मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर में जगह बनाई।

भारतीय जोड़ी ने अपने से बेहतर रैंकिंग वाली जोड़ी को सिर्फ 42 मिनट में 21-16 21-18 से हराया। कृष्ण प्रसाद और पृथ्वी अगले दौर में जुन्सुके कुबो और जिया हाओ होविन योंग की सिंगापुर की जोड़ी तथा यंग ह्यूक किम और ते योंग शिन की कोरिया की जोड़ी के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे।

प्रिया और श्रुति को करना पड़ा हार का सामना

अश्विनी भट और शिखा गौतम ... (पाठ अस्पष्ट) की एक अन्य पुरुष युगल टीम को हालांकि कोरिया के सोल ग्यू चोई और मलेशिया के वी शेम गोह की जोड़ी के खिलाफ एकतरफा मुकाबले में 3-21 10-21 से हार झेलनी पड़ी। प्रिया कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा की भारत की महिला युगल टीम को भी रिरिना हिरामोतो और कोकोना इशिकावा की जापान की दूसरी वरीय जोड़ी के खिलाफ 15-21 13-21 से हार का सामना करना पड़ा।
जापान के शोगो ओगावा से हारे तुषार सुवीर
पुरुष एकल क्वालीफायर के पहले दौर में भारत के तुषार सुवीर ने कजाख शीर्ष कुलझाया को 21-15 21-12 से हराया लेकिन अगले दौर में जापान के शोगो ओगावा के खिलाफ 10-21 17-21 से हार गए।

10 साल बाद लीड हीरो बनकर लौटेंगे इमरान

मुंबई। अभिनेता इमरान खान ने काफी वक्त से स्क्रीन से दूरी बना कर रखी थी। मगर अब वह बतौर लीड एक्टर दमदार वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एक बातचीत के दौरान उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' से जुड़ी जानकारी साझा की। उन्होंने हा, 'मेरी फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' की शूटिंग पूरी हो चुकी है। यह फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन में है और इस साल के अंत तक इसके रिलीज होने की उम्मीद है। यह एक एडल्ट रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जो मेरे जीवन के मौजूदा हालात दर्शाती है।' इमरान खान आखिरी बार साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'कट्टी बट्टी' में बतौर लीड हीरो नजर आए थे।

लाइफ Style

तृषा

लोगों ने किया है मर्यादा का उल्लंघन

नई दिल्ली

तमिलनाडु में कावेरी जल विवाद पर आयोजित रैली के दौरान डीएमके नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने ऐसा बयान दिया, जिस पर हंगामा हो रहा है। उन्होंने कथित तौर पर साउथ इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री तृषा पर यह टिप्पणी की थी। उनकी टिप्पणी को लेकर आलोचना हो रही है।

यह पहली बार नहीं है, जब तृषा पर निशाना साधा गया हो। इससे पहले भी उन पर तमाम लोगों ने मर्यादा का उल्लंघन कर आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणी की हैं। साल 2023 में अभिनेता मंसूर अली खान ने फिल्म 'लिओ' की सफलता के बाद तृषा कृष्णन को लेकर एक आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणी की थी। इस पर महिला आयोग ने भी मंसूर अली खान के खिलाफ एक्शन लिया था। दरअसल, तृषा और मंसूर अली खान ने लोकेश कनगराज की फिल्म 'लियो' में साथ काम किया था। हालांकि, फिल्म में दोनों ने स्क्रीन स्पेस साझा नहीं किया था। फिल्म के बाद मंसूर अली खान ने कहा था, 'जब मैंने सुना कि मैं तृषा के साथ काम कर रहा हूं, तो मैंने सोचा कि फिल्म में एक बेडरूम सीन होगा। लेकिन, इन लोगों ने कश्मीर शेड्यूल के दौरान सेट पर तृषा को मुझे दिखाया भी नहीं'। इस टिप्पणी पर तृषा ने नाराजगी जाहिर करते हुए मंसूर के साथ कभी काम न करने की बात कही थी। इतना ही नहीं, फरवरी 2024 में तृषा कृष्णन पर एआईडीएमके के पूर्व नेता एवी राजू ने अभद्र टिप्पणी करते हुए एक आरोप लगाया था। राजनेता ने एक्ट्रेस की निजी जिंदगी पर बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

हॉलीवुड मसाला

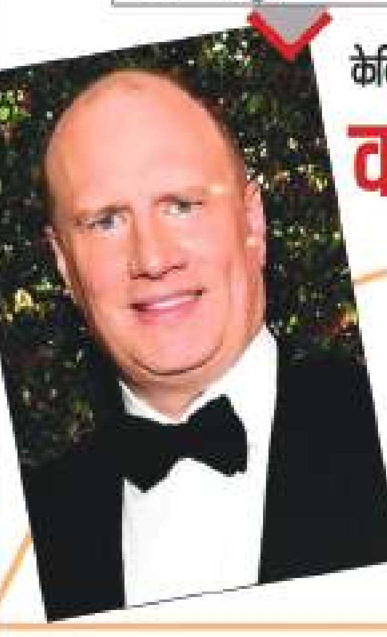

केविन ने की स्पाइडर-मैन 5 की घोषणा

लॉस एंजिल्स। फिल्म 'स्पाइडर मैन ब्रांड न्यू डे' ने वर्ल्ड वाइड बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई की। इसके साथ ही मार्वल स्टूडियोज ने स्पाइडी के दीवानों को एक नई खुशखबरी दी है। मार्वल स्टूडियोज के निर्देशक केविन फीगे ने ऑफिशियल तौर पर 'स्पाइडर मैन 5' की घोषणा की है। इसके साथ ही निर्माता एमी पास्कल ने यह भी उम्मीद जताई है कि इस सीजन में श्री निर्देशक डेस्टिन डेनियल क्रेटन की वापसी हो सकती है। उन्होंने कहा, 'योजनाएं हमेशा बनी रहती हैं।

जाफर सुपरमैक्स में विल के साथ करेंगे काम

लॉस एंजिल्स। एक्टर जाफर जैक्सन ने अपने दिवंगत अंकल पॉपस्टार माइकल जैक्सन का किरदार उनकी बायोपिक में निभाया था। फिल्म में उनके अभिनय के लिए काफी सराहना मिली थी। एक्टर अब जल्द ही एक्शन थ्रिलर 'सुपरमैक्स' में विल स्मिथ के साथ नजर आएंगे। हालांकि, उनके किरदार की जानकारी फैंस को अब तक नहीं दी गई है। मगर वह फिल्म में एक महत्वपूर्ण किरदार निभा सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा। कहानी दो एफबीआई एजेंट्स और उनकी जांच पर आधारित बताई जा रही है। जो एक उच्च सुरक्षा वाली जेल के अंदर एक असंभव सी लगने वाली हत्या की जांच करते हैं। यह दोनों किरदार विल स्मिथ और एवा सोफिया रॉय निभाएंगे।

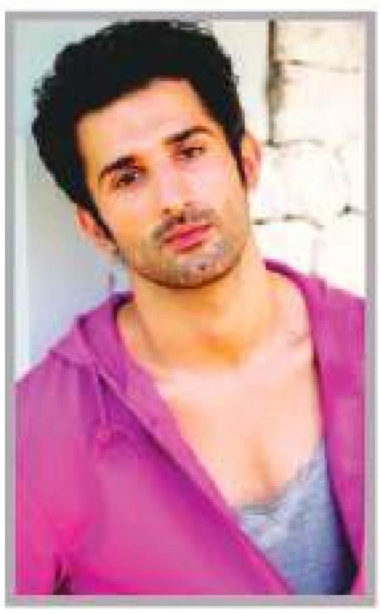

ललकारा में अब सिद्धांत निभाएंगे अहम रोल

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर आमिर खान और आशुतोष गोवारिकर ने अपनी अपकमिंग स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'ललकारा' की कास्टिंग में बड़ा बदलाव किया है। फरहान अख्तर के इस प्रोजेक्ट से हटने के बाद अब एक्टर सिद्धांत गुप्ता इसमें शामिल हो गए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, फरहान अख्तर ने फिल्म से इसलिए किनारा कर लिया, क्योंकि इसकी शूटिंग का शेड्यूल संगीतकार आर.डी. बर्मन पर बन रही बायोपिक की शूटिंग से टकरा रहा था। अब 'ललकारा' में फरहान अख्तर की जगह सिद्धांत गुप्ता अदाकारी करेंगे। सिद्धांत को सीरीज 'जुबली' और 'फ्रीडम एट मिडनाइट' में एक्टिंग के लिए काफी तारीफ मिली है। उम्मीद है कि हाल के वर्षों की सबसे बड़ी स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्मों में से एक मानी जा रही इस फिल्म में एक्टर, आमिर खान के साथ एक अहम किरदार निभाएंगे।

बंटवारा की रिलीज से पहले पहुंचे गुरुद्वारा

मुंबई। एक्टर सनी देओल अपनी आने वाली फिल्म 'बंटवारा 1947' को रिलीज की तैयारी में जुटे हुए हैं। फिल्म के रिलीज से पहले एक्टर्स ने श्री पटना साहिब गुरुद्वारा जाकर आशीर्वाद लिए। इस दौरान के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। सामने आए वीडियो में सनी देओल गुरुद्वारे में गुरु गोबिंद सिंह जी के सामने प्रार्थना करते और कुछ समय ध्यान लगाते नजर आ रहे हैं। तख्त श्री पटना साहिब सिख धर्म का एक बहुत ही पवित्र और महत्वपूर्ण स्थल है, क्योंकि यह गुरु गोबिंद सिंह जी का जन्मस्थान है। यह गुरुद्वारा सिखों के पांच तख्तों में से एक है और इसकी बहुत खास मान्यता है। यहां हर साल दुनिया भर से हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। दर्शन के बाद सनी देओल ने अपने इंस्टाग्राम पर भी तस्वीरें शेयर कीं।

टीवी मसाला

जैस्मिन ड्रामा क्वीन, करण वाही सबसे बड़े एंटरटेनर : अविका

नई दिल्ली। बालिका वधू की 'आनंदी' अब 'खतरों के खिलाड़ी 15' की सबसे मुश्किल जर्नी पूरी कर लौट चुकी हैं। केप टाउन से लौटने के बाद अविका गोर ने बातचीत में सभी कंटेस्टेंट्स को मजेदार टैग दिए। अविका गोर ने किसी को 'ड्रामा क्वीन' बताया, किसी को सबसे बड़ा एंटरटेनर, तो किसी को सबसे खतरनाक खिलाड़ी। इसी बातचीत में उन्होंने सबसे मुश्किल स्टंट, पति मिलिंद चंदवानी के रिएक्शन और अविनाश मिश्रा को लेकर चल रही अफवाहों पर भी खुलकर बात की। सभी कंटेस्टेंट्स की बात छिड़ी तो अविका ने उन्हें अपने अंदाज में मजेदार टैग भी दे डाले। वह हंसते हुए कहती हैं, 'ड्रामा क्वीन का टैग मैं जैस्मिन को दूंगी। वो पहले खूब रोती हैं, डरती हैं, लेकिन आखिर में स्टंट भी कर लेती हैं। इसलिए उनका ड्रामा भी मुझे प्यारा लगता है।' 'ओवरकॉन्फिडेंट' के सवाल पर अविका ने विशाल आदित्य सिंह का नाम लिया, लेकिन साथ ही साफ किया कि यह सिर्फ एक स्टंट की बात थी। 'एक स्टंट में विशाल जरूरत से ज्यादा कॉन्फिडेंट हो गए थे, लेकिन मैं उन्हें ओवरऑल ओवरकॉन्फिडेंट नहीं कहूंगी।' 'अंडररेटेड' का टैग उन्होंने खुद को दिया। वहीं, 'डेंजरस कॉम्पिटिटर' के लिए उन्होंने अविनाश मिश्रा का नाम लेते हुए कहा, 'मुझे ऐसे लोग बहुत पसंद हैं, जो हर चैलेंज के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

दीपिका ने भर्तृहरि गुफा में किया शिव तांडव

नई दिल्ली। टीवी की फेमस एक्ट्रेस दीपिका सिंह इन दिनों अपनी आध्यात्मिक यात्रा को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने हाल ही में मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित प्रसिद्ध भर्तृहरि गुफा के दर्शन किए। यहां उन्होंने भगवान शिव को समर्पित करते हुए डांस भी किया। दीपिका ने बताया कि इस डांस के लिए उन्होंने पहले कोई तैयारी नहीं की थी। दरअसल, दीपिका सिंह ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह भर्तृहरि गुफा में 'डमरू' गाने पर नृत्य करती नजर आ रही हैं। खास बात यह है कि इस डांस के लिए उन्होंने कोई खास रिहर्सल नहीं की थी। अभिनेत्री ने बताया कि कुछ दिन पहले उन्होंने इस गाने पर एक रील देखी थी, लेकिन गुफा में पहुंचने के बाद अचानक उनके मन में इस पर डांस करने का विचार आया। दीपिका ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, ॐ नमः शिवाय. आप सभी को सावन के पहले सोमवार की शुभकामनाएं। मैंने भर्तृहरि गुफा में बैठकर कुछ देर ध्यान किया, यहां की शांति और सकारात्मक ऊर्जा ने मुझे डांस करने के लिए प्रेरित किया। डांस शुरू करने से पहले मैंने गुरु को याद किया, धरती को प्रणाम किया और फिर भगवान शिव को यह नृत्य अर्पित किया।

किशोर दा ने टेबल मंगवाया, उस पर लेट गए और गाने लगे! मजाक-मजाक में हुआ रिकॉर्ड

नई दिल्ली। किशोर कुमार कितने हरफनमौला थे, यह बताने की जरूरत नहीं है। उन्हें फिल्मों के लिए प्लेबैक सिंगिंग हो, गजल गाना हो, कव्वाल या फिर कव्वाली, उनका अंदाज सबसे जुदा होता है। किशोर कुमार अपने गीतों को 'योडलिंग' और अलग-अलग आवाजों में गाने की क्षमता के लिए जाने जाते थे।

टेबल लेकर आओ, मैं लेटकर गाऊंगा : अब किशोर कुमार ठहरे किशोर कुमार। वह दो पल चुप रहे, फिर कहा, 'अगर वो एक शराबी है, नशे में है, तो सीधा खड़ाकर तो गा नहीं सकता। एक काम करो मेरे लिए एक टेबल लेकर आओ। मैं लेटकर गाऊंगा।' किशोर दा की बात सुन सब चौंक गए। वहां मौजूद हर किसी को लगा कि वह मजाक कर रहे हैं। बप्पी दा को भी ऐसा ही लगा। उन्होंने पहले तो किशोर दा की बात को अनसुना किया, लेकिन जब सिंगर अपनी मांग पर डटे रहे तो वह कुछ समझ नहीं पाए। इधर, किशोर दा बिना टेबल पर लेटे गाने को तैयार नहीं थे।

इन्तहा हो गई इंतजार की

बात साल 1984 में रिलीज फिल्म 'शराबी' की है। प्रकाश मेहरा के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म उस साल की ब्लॉकबस्टर थी। किशोर दा को करीब से जानने वाले बताते हैं कि वह बड़े मस्तमौला शख्सियत थे। लेकिन मजाक-मजाक में ही अद्भुत काम कर जाना, उनके व्यक्तित्व का हिस्सा था। इसी मजाक-मजाक में उन्होंने यह सुपरहिट गाना 'इन्तहा हो गई इंतजार की' भी रिकॉर्ड किया था। इसका किस्सा खुद दिग्गज सिंगर आशा भोसले ने भी एक इंटरव्यू में बताया था। आशा ताई बताती हैं कि उस दिन रिकॉर्डिंग रूम में वह भी मौजूद थीं। बप्पी दा भी थे। तभी किशोर दा वहां पहुंचते हैं और पूछते हैं कि गाने की सिचुएशन क्या है। बप्पी दा ने कहा- एक शराबी आशिक है, जो अपनी महबूबा के लिए नशे में गाना गा रहा है। उसका इंतजार कर रहा है।

जिद के आगे सब हार गए

और, कुछ मिनटों में सब किशोर दा की जिद के आगे हार गए। टेबल मंगवाया गया। मजेदार बात यह कि टेबल आते ही, वह उस पर म्यूजिशियन्स की तरफ करवट लेकर लेट गए। अपने हाथ को सिर के नीचे रखा, पैर पर पैर चढ़ाया और इस तरह एक तरफ करवट के साथ माइक मांगा। माइक सामने आते ही उन्होंने एक शराबी के अंदाज में हिचकी लेते हुए पहली लाइन गाई- आई ना कुछ खबर, मेरे यार की...

मिर्जापुर: द मूवी का गाना 'दो नंबरी' जारी

ढांडा का दिखा देसी और विदेशी अंदाज

मुंबई। साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में शामिल 'मिर्जापुर: द मूवी' की रिलीज से पहले इसका पहला गाना 'दो नंबरी' रिलीज हुआ है। इस गाने को ढांडा न्योलीवाला ने लिखा, कंपोज किया और अपनी आवाज दी है। यह ट्रैक उनके बॉलीवुड डेब्यू का भी आगाज है। लगभग दो मिनट के गाने में दिखाया गया है कि ढांडा न्योलीवाला गाना गा रहे हैं। गाने में वह ग्लैमरस अंदाज में नजर आ रहे हैं। इसमें गाड़ी, बंदूक और हवाई जहाज नजर आ रहे हैं। कई बार वह विदेश में तो कई बार देसी अंदाज में नजर आए हैं। 'मिर्जापुर: द मूवी' दर्शकों को फिर से सीजन 1 की दुनिया में लेकर जाएगी। फिल्म में पहली बार बड़े पर्दे पर गुड्डू पंडित (अली फजल), मुन्ना भैया (दिव्येंदु) और कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) जैसे फ्रैंचाइजी के सबसे लोकप्रिय किरदारों की वापसी होगी। फिल्म में जितेंद्र कुमार, रवि किशन, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुग्गल, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, प्रमोद पाठक, प्रिया पिलगांवकर, हर्षिता शेखर गौर, श्वेता त्रिपाठी, सोनल एस. चौहान, अनंगशा बिस्वास, शाजी चौधरी, सतेंद्र सोनी, कुलभूषण खरबंदा और सुशांत सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'मिर्जापुर: द मूवी' का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है, जबकि इसकी कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने इसे एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। वहीं कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी इसके सह-निर्माता हैं। यह फिल्म 4 सितंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में हिंदी और तेलुगु भाषा में रिलीज होगी।

दर्शकों को सीधे डर के आगोश में ले जाती हैं दहशत भरी दुनिया

रीढ़ की हड्डी में सिहरन पैदा करने वाली हैं ये डरावनी फिल्में

नई दिल्ली। आने वाले वीकेंड एंटरटेनमेंट में अगर आप थ्रिल, सस्पेंस और डर का टच जोड़ना चाहते हैं, तो सिनेमा की दुनिया में ऐसी बहुत सी फिल्में हैं जो आपके रोंगटे खड़े कर सकती हैं। चाहे वह तुम्बाड़ की पौराणिक कहानी हो, स्त्री की लोकल हॉरर हो या 1920 का गॉथिक सस्पेंस हो, ये कहानियां दर्शकों को सीधे डर के आगोश में ले जाती हैं। द कॉन्ज्यूरिंग की सच्ची घटनाएं, रात की कल्ट साइलेंस और परी का डार्क साइकोलॉजिकल माहौल आपको रात भर जगाए रखेगा।

स्त्री : 2018 में रिलीज हुई 'स्त्री' हॉरर और कॉमेडी का एक अनोखा मिक्सचर है। चंदेरी शहर की मशहूर लोककथा 'ओ स्त्री कल आना' पर आधारित यह फिल्म एक चुड़ैल की कहानी बताती है, जो त्योहारों के दौरान रात के अंधेरे में आदमियों को किडनैप कर लेती है। अमर कौशिक के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर हैं। यह फिल्म न सिर्फ आपको डराती है, बल्कि एक डरावना ह्यूमर और एक जबरदस्त सोशल मैसेज भी देती है। इसका अनोखा सस्पेंस और इंडियन फ्लेवर इसे हॉरर-कॉमेडी जॉनर में एक क्लासिक बनाते हैं।

तुम्बाड : तुम्बाड को इंडियन सिनेमा की सबसे बेहतरीन हॉरर-फैंटेसी फिल्मों में से एक माना जाता है। राही अनिल बर्वे के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म महाराष्ट्र के तुम्बाड गांव के एक परिवार के पौराणिक राक्षस 'हस्तर' के डर और कभी न खत्म होने वाले लालच पर आधारित है। मेन कैरेक्टर विनायक अपने पुरखों के खजाने की तलाश में एक भयानक श्राप का सामना करता है। लगातार बारिश, शानदार सिनेमैटोग्राफी और काला माहौल देखने वालों में डर का गहरा एहसास पैदा करता है। यह फिल्म सिर्फ एक भूत की कहानी नहीं है, बल्कि इंसानी लालच के भयानक नतीजों का एक विजुअल मास्टरपीस है।

1920 : विक्रम भट्ट के डायरेक्शन में बनी '1920' इंडियन सिनेमा की एक क्लासिक गॉथिक हॉरर फिल्म है। 20वीं सदी की शुरुआत में सेट यह कहानी अर्जुन और लिसा की है, जो अपने प्यार को पाने के लिए अपना घर छोड़ देते हैं और एक पुरानी, ऐतिहासिक हवेली में रहने चले जाते हैं। हवेली में घुसते ही लिसा पर एक बुरी और शापित आत्मा का कब्जा हो जाता है। फिल्म में विश्वास, प्यार और सुपरनैचुरल शक्तियों के बीच की भयानक लड़ाई दिखाई गई है।

परी : अनुष्का शर्मा स्टारर 'परी' (2018) एक डार्क और इंटेंस साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म है, जो ट्रेडिशनल भूतिया कहानियों से हटकर है। प्रोसित रॉय के डायरेक्शन में बनी यह कहानी अर्णब नाम के एक सीधे-साधे आदमी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो जंगल में जंजीरों से बंधी रुखसाना (अनुष्का) नाम की एक रहस्यमयी लड़की को घर लाता है। बाद में पता चलता है कि रुखसाना का एक डरावने शैतानी पंथ (इफरित) से कनेक्शन है।

__द कॉन्ज्यूरिंग:__ जेम्स वान के डायरेक्शन में बनी 'द कॉन्ज्यूरिंग' हॉलीवुड की सबसे डरावनी और मशहूर हॉरर फिल्मों में से एक है। यह फिल्म असल जिंदगी के पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर एड और लोरेन वॉरेन की केस फाइलों पर आधारित है। कहानी पेरोन परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक नए फार्महाउस में जाते हैं और एक डरावनी सुपरनैचुरल ताकत का शिकार बन जाते हैं। बिना किसी फालतू खून-खराबे के यह फिल्म अपने सस्पेंस, साउंड इफेक्ट और विजुअल्स से डर का एहसास कराती है।

__रात :__ राम गोपाल वर्मा के डायरेक्शन में बनी 'रात' को इंडियन हॉरर सिनेमा की एक कल्ट क्लासिक माना जाता है। रेवती स्टारर यह फिल्म एक ऐसे परिवार की कहानी बताती है जो एक नए घर में जाता है और उनकी बेटी एक शापित बिल्ली की आत्मा के असर में आ जाती है। 90 के दशक में बनी इस फिल्म की सबसे बड़ी खूबी इसका साउंड डिजाइन और इफेक्टिव कैमरावर्क था बिना किसी बड़े विजुअल इफेक्ट्स के भी, यह फिल्म घर के आम माहौल में इतना डर पैदा करती है कि देखने वाले अकेले रहने से डरने लगते हैं।

खेती के साथ पशुपालन अपनाएं किसान, दुग्ध उत्पादन से बढ़ाएं आमदनी - शिवराज सिंह चौहान

- कृषि विश्वविद्यालय झांसी किसानों को दे रहा शिक्षा के साथ वैज्ञानिक प्रशिक्षण - केंद्रीय कृषि मंत्री
- प्रशिक्षण तीन दिन का नहीं, विश्वविद्यालय से किसानों का जुड़ाव निरंतर बना रहे - डॉ. एमएल जाट
- सीहोर के 25 किसानों ने लिया तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण, कुलपति ने प्रमाण-पत्र देकर किया सम्मानित

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी में मध्यप्रदेश के सीहोर जिले के विभिन्न ग्रामों से आए 25 किसानों के लिए आयोजित तीन दिवसीय 'सतत् आजीविका हेतु वैज्ञानिक दुग्ध उत्पादन' प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ।

समापन समारोह में वर्चुअल माध्यम से जुड़े केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए खेती के साथ पशुपालन को भी आजीविका का मजबूत आधार बनाना होगा। वैज्ञानिक तरीके से पशुओं का पालन, बेहतर पोषण और उन्नत नस्लों को अपनाकर दुग्ध उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। श्री चौहान ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय झांसी शिक्षा के साथ किसानों को प्रशिक्षण देने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। उन्होंने प्रशिक्षण के आयोजन के लिए कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। किसान प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीकों को अपने पशुपालन में लागू करें और दूसरे किसानों तक भी इसकी जानकारी पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि पशुपालन को व्यवसाय के रूप में विकसित कर किसान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। किसानों को बेहतर से बेहतर वैज्ञानिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना आवश्यक है। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यह प्रशिक्षण निश्चित रूप से किसानों की सतत् आजीविका और आय बढ़ाने में उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने प्रशिक्षण से जुड़े 17 संस्थानों एवं सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए किसानों से देश में दुग्ध उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का आह्वान किया। वर्चुअल माध्यम से जुड़े कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट ने कहा कि यह प्रशिक्षण केवल तीन दिनों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। किसान विश्वविद्यालय से निरंतर जुड़े रहें और वैज्ञानिकों से नई-नई तकनीकों की जानकारी प्राप्त करते रहें। उन्होंने किसानों को एकीकृत कृषि प्रणाली और कृषि वानिकी अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि डेयरी के साथ कृषि की अन्य गतिविधियों को जोड़कर किसान अपनी लागत कम करने और आय के नए स्रोत विकसित करने में सक्षम हो सकते हैं।

सीहोर के किसानों और विश्वविद्यालय के बीच शुरू हुआ नया संबंध – कुलपति

कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने कहा कि सीहोर के किसानों और विश्वविद्यालय के बीच यह एक नए संबंध की शुरुआत है। प्रशिक्षण समाप्त हुआ है, लेकिन किसानों के साथ विश्वविद्यालय का जुड़ाव आगे भी निरंतर बना रहेगा। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराते रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान किसानों को पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, उन्नत पशु नस्लों, पशु स्वास्थ्य एवं वैज्ञानिक प्रबंधन की जानकारी देने के साथ विश्वविद्यालय की एकीकृत कृषि प्रणाली और शहद उत्पादन इकाई का भ्रमण कराया गया। किसान एक एकड़ क्षेत्र में एकीकृत कृषि प्रणाली विकसित

गरौठा विधायक ने विधानसभा में उठाया जर्जर सड़कों का मुद्दा, मोंठ-समथर-पंडोखर मार्ग समेत 7 सड़कों के निर्माण की मांग

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत ने विधानसभा के मानसून सत्र में क्षेत्र की जर्जर एवं खस्ताहाल सड़कों का मुद्दा प्रमुखता से उठाते हुए उनके शीघ्र पुनर्निर्माण, चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं मरम्मत की मांग की है। विधायक ने नियम-51 के अंतर्गत विधानसभा में सूचना देकर कहा कि क्षेत्र की कई सड़कें वर्षों से बदहाल स्थिति में हैं, जिससे आमजन, किसानों, विद्यार्थियों और व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विधायक ने सदन का ध्यान आकर्षित कराते हुए कहा कि प्रदेश में सड़कों के पुनर्निर्माण और चौड़ीकरण के कार्य चल रहे हैं, वहीं गरौठा विधानसभा क्षेत्र की कुछ महत्वपूर्ण सड़कें आज भी जर्जर हैं। इन मार्गों पर पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। मोटरसाइकिल, चारपहिया वाहन, बसों के

संचालन में दिक्कतें आ रही हैं, वहीं एंबुलेंस, पुलिस और अन्य सरकारी वाहनों का आवागमन भी प्रभावित हो रहा है। गरौठा विधायक ने विधानसभा में ककरवई थाना से गरौठा मार्ग (लगभग 3 किमी), धनौरा-ठर्रो-प्रतापपुरा मार्ग, प्रतापपुरा-देवरी मार्ग, पनारी-झांसी-कानपुर हाईवे संपर्क मार्ग, समथर-पीपरी कला (जालौन) तक तथा अहरोरा-कुरेंठा-धनौरा-ककरवई मार्ग सहित छह जर्जर सड़कों के पुनर्निर्माण, चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं विशेष मरम्मत की मांग उठाई। इसके अलावा विधायक जवाहर लाल राजपूत ने विधानसभा में मोंठ-समथर-पंडोखर मार्ग का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने इस मार्ग का तत्काल तकनीकी निरीक्षण कराकर आवश्यक मरम्मत, पुनर्निर्माण के लिए बजट स्वीकृत कर निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की। गरौठा विधायक ने बताया कि सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे होने से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। यह मार्ग झांसी और मध्यप्रदेश को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है, जिस पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में किसान, व्यापारी, विद्यार्थी और ग्रामीण आवागमन करते हैं। बरसात के दौरान सड़क की स्थिति और अधिक खराब हो गई है, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ गई है। इसका निर्माण शीघ्र शुरू कराये जाने की बात कही है.

अब सरकारी अस्पतालों के होंगे रात्रिकालीन औचक निरीक्षण

-देर रात अपर निदेशक स्वास्थ्य ने किया जिला चिकित्सालय का निरीक्षण

-मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं को सुनिश्चित करने की दिशा में एक और कदम

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, झांसी मंडल डॉ. आर.के. सोनी ने मंडलीय परियोजना प्रबंधक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन आनंद चौबे के साथ जिला चिकित्सालय झांसी का रात्रिकालीन औचक निरीक्षण कर आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं, चिकित्सकीय व्यवस्थाओं एवं मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का विस्तृत अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान जिला अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ आर. के. सक्सेना उपस्थित थे.

निरीक्षण में अस्पताल की अधिकांश मूलभूत व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। अस्पताल का स्टेमी कक्ष पूर्णत: क्रियाशील मिला तथा हृदय रोगियों को निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप उपचार उपलब्ध कराया जा रहा था। इमरजेंसी में चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की उपस्थिति, ड्यूटी रोस्टर का अनुपालन तथा अस्पताल परिसर एवं आपातकालीन कक्ष की साफ-सफाई भी संतोषजनक पाई गई। ईसीजी जांच, आईसीयू एवं वेंटिलेटर सेवाएं भी सुचारु रूप से संचालित होती मिलीं। अचानक देर रात बिना पूर्व सूचना के निरीक्षण के दौरान इमरजेंसी में ब्लड शुगर की जांच होने की पुष्टि हुई परंतु अन्य पैथोलॉजी जांचों की तत्काल उपलब्धता को और सुदृढ़ किए जाने की आवश्यकता बताई गई। अपर निदेशक ने इस पर निर्देश दिए गए कि गंभीर मरीजों के उपचार में विलंब न हो, इसके लिए आवश्यक पैथोलॉजी जांचों की उपलब्धता चौबीस घंटे सुनिश्चित की जाए। अपर निदेशक ने इमरजेंसी कक्ष में अतिरिक्त एयर कंडीशनर स्थापित कराने, अस्पताल के प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों को अद्यतन कर प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करने तथा हृदयाघात के संदिग्ध मरीजों के लिए ट्रोपोनिन-आई जांच किट पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही एक्स-रे, सीटी स्कैन एवं अन्य आवश्यक सेवाओं के लिए प्रशिक्षित कार्मिकों का स्पष्ट ड्यूटी रोस्टर प्रदर्शित करने पर भी बल दिया गया। निरीक्षण के दौरान यह भी निर्देशित किया गया कि पिछले तीन माह में हृदय रोग से संबंधित गंभीर मरीजों के सफल उपचार के मामलों का संकलन कर उन्हें 'सक्सेस स्टोरी' के रूप में प्रलेखित किया जाए, जिससे अस्पताल की उपलब्धियों का प्रभावी दस्तावेजीकरण हो सके। इसके अतिरिक्त इमरजेंसी के बाहर पर्याप्त संख्या में स्ट्रेचर, व्हीलचेयर एवं ऑक्सीजन सिलेंडर सदैव उपलब्ध रखने तथा एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस को इमरजेंसी के समीप तैनात रखने के निर्देश भी दिए गए, ताकि गोल्डन ऑवर के दौरान मरीजों को त्वरित उपचार एवं रेफरल सुविधा सुनिश्चित हो सके। निरीक्षण के उपरांत अपर निदेशक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता, त्वरित जांच सुविधाओं तथा आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता को समयबद्ध ढंग से और अधिक सुदृढ़ किया जाए, जिससे मरीजों को बेहतर, त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय फाइन आर्ट फेयर-2026 का समापन, युवा कलाकारों की प्रतिभा और सृजनशीलता को मिला व्यापक मंच

कला शिक्षा से कला उद्यमिता तक, सफल रहा फाइन आर्ट फेयर-2026

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के 31वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में ललित कला संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय फाइन आर्ट फेयर-2026 का समापन समारोह गुरुवार को उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कला, संस्कृति और सृजनात्मक उद्यमिता को समर्पित इस आयोजन ने तीन दिनों तक विश्वविद्यालय परिसर को जीवंत कला दीर्घा में परिवर्तित कर दिया, जहाँ विद्यार्थियों, युवा कलाकारों, शोधार्थियों और कला प्रेमियों ने न केवल विविध कलाकृतियों का अवलोकन किया, बल्कि कला के सामाजिक, शैक्षणिक और व्यावसायिक पक्षों पर सार्थक संवाद भी स्थापित हुआ।

समापन समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक श्री राजबहादुर ने की। मुख्य अतिथि के रूप में उप कुलसचिव वित्त श्री सुनील कुमार सेन उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधि संकाय के समन्वयक डॉ. प्रशांत मिश्रा तथा पत्रकारिता विभाग के समन्वयक डॉ. कौशल त्रिपाठी ने सहभागिता की। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. श्वेता पाण्डेय, सह संयोजक डॉ. अजय कुमार गुप्ता तथा गजेन्द्र सिंह ने आयोजन का संचालन एवं समन्वय किया। आयोजन की सफलता में डॉ. सुनीता, डॉ. ऋतु शर्मा एवं डॉ. शुभांगी निगम का विशेष सहयोग उल्लेखनीय रहा। अपने अध्यक्षीय संबोधन में परीक्षा नियंत्रक श्री राजबहादुर ने कहा कि विश्वविद्यालय का दायित्व केवल

शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को समाज के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए प्रभावी मंच उपलब्ध कराना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि फाइन आर्ट फेयर जैसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सृजनशीलता और व्यावसायिक दृष्टिकोण विकसित करते हैं तथा कला शिक्षा को व्यवहारिक अनुभवों से जोड़ते हैं। मुख्य अतिथि श्री सुनील कुमार सेन ने कहा कि कला किसी भी समाज की सांस्कृतिक चेतना का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवा कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, कला के विपणन को समझने तथा आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रशांत मिश्रा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में कला केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों की संवाहक रही है। पत्रकारिता विभाग के समन्वयक डॉ. कौशल त्रिपाठी ने कहा कि कला और संचार का संबंध अत्यंत गहरा है। एक प्रभावशाली कलाकृति अनेक शब्दों से अधिक प्रभाव छोड़ती है। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. श्वेता पाण्डेय ने बताया कि फाइन आर्ट फेयर-2026 का उद्देश्य कलाकारों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों और कला प्रेमियों को एक साझा मंच उपलब्ध कराना था, जहाँ सृजन, संवाद और कला के व्यावसायिक अवसरों का समन्वय हो सके। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय आयोजन में दर्शकों की उत्साहजनक सहभागिता ने यह सिद्ध किया है कि समाज में कला के प्रति रुचि और संवेदनशीलता निरंतर बढ़ रही है।

तीन दिवसीय फेयर में 40 से अधिक प्रतिभागियों ने अपने-अपने कला स्टॉल स्थापित किए। इन स्टॉलों पर चित्रकला, मूर्तिकला, रेजिन आर्ट, क्ले आर्ट, कैंडिल , क्रोसिया वर्क , होम डेकोरेशन पीस ,ग्राफिक कला, प्रिंटमेकिंग एवं हस्तनिर्मित कलाकृतियों का प्रदर्शन किया गया। चारू खन्ना, सीता परिहार, दीपिका राजपूत, प्रिया यादव, सलोनी साहू, महाश्वेता, धरु, धर्मेंद्र, कनिष्का, भारती, निष्ठा खन्ना, चंचल साहू सहित अनेक प्रतिभागियों ने अपनी कलाकृतियों के माध्यम से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। कई कलाकारों को अपनी कृतियों के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई, जिससे उन्हें भविष्य में कला के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। आयोजन के सफल संचालन में वोलेंटियर्स की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। फैसल उस्मानी, आदर्श राजपूत, अनुज, शिवदयाल, गौरी, काजल ओझा , ब्रजेन्द्र तथा अन्य वोलेंटियर्स ने तीनों दिनों तक व्यवस्थाओं के संचालन, आगंतुकों के मार्गदर्शन तथा कार्यक्रम के समन्वय में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। समापन समारोह के दौरान सभी प्रतिभागियों, स्टॉल धारकों एवं स्वयंसेवकों को उनकी सक्रिय सहभागिता के लिए प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि फाइन आर्ट फेयर-2026 ने विश्वविद्यालय में कला के लिए एक सशक्त वातावरण निर्मित किया है तथा युवा कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ कला के व्यावसायिक आयामों से जुड़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक पहचान को और अधिक समृद्ध करेंगे तथा बुन्देलखण्ड की कला परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।

भक्ति : झमाझम बारिश मै निकली गुरु रविदास की समरसता संकल्प यात्रा

शहर मंडल की कलश यात्रा मै बारिश में भी नहीं थमे कदम, पुष्प वर्षा और ढोल-नगाड़ों से हुआ भव्य स्वागत

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर आयोजित 'श्री गुरु रविदास समरसता संकल्प अभियान' के अंतर्गत सिविल लाइंस और शहर मंडल क्षेत्र में भव्य कलश वंदन यात्रा एवं शोभायात्रा का आयोजन अत्यंत श्रद्धा व उत्साह के साथ किया गया। यह पवित्र कलश गुरु रविदास जी की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर(वाराणसी) की पावन मिट्टी का कलश, रथ यात्रा का आयोजन जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह की अध्यक्षता, शहर मंडल अध्यक्ष विजय शिवहरे 'मोनू' के नेतृत्व एवं संतराम पेंटर के कुशल संयोजन में संपन्न हुआ। बुधवार, 05 अगस्त 2026 को प्रात: 11:30 बजे यात्रा मानिक चौक स्थित सिंधी चौराहे से प्रारंभ हुई। इसके बाद यात्रा पीएनबी बैंक, मिनर्वा चौराहा, रानी महल, प्रियंका साहू वाली गली होते हुए तलैया स्थित पंचमुखी महादेव मंदिर पहुंची। वहां से गंज, खोवा मंडी, घास मंडी स्थित हनुमान जी मंदिर से लक्ष्मी गेट कबीर पंथी मंदिर होते हुए बड़ा बाजार पहुंची।

बड़ा बाजार में अचानक आई बारिश के बावजूद कार्यकर्ताओं के उत्साह में कमी नहीं आई। बारिश में भीगते हुए कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर यात्रा को और अधिक धूमधाम से आगे बढ़ाया। मार्ग में स्थान-स्थान पर व्यापारियों एवं क्षेत्रवासियों ने संत रविदास जी के चित्र तथा पवित्र कलश पर पुष्प-वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। वहीं अनुसूचित मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने भी ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य अगवानी की। इसके उपरांत यात्रा न्यू ईयर पब्लिक स्कूल होते हुए वार्ड नंबर 20 स्थित गुदरी शंकर सिंह के बगीचा पहुंची, जहां यात्रा का समापन हुआ। छैकुर महादेव मंदिर में संत शिरोमणि श्री रविदास जी महाराज के कलश का विधिवत पूजन कर संपन्न कराया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ने मिनर्वा चौराहा के समीप उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया सभी कार्यकर्ताओं एवं जनमानस को संत रविदास जी महाराज के बताए मार्ग पर चलकर समरस, समतामूलक एवं सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प दिलाया ,: 'संत रविदास जी ने जात-पात के भेदभाव को मिटाकर समाज को एकता के सूत्र में पिरोने का अतुलनीय कार्य किया। उनका सपना था कि समाज में कोई भी व्यक्ति दुखी न रहे और सभी मिलकर रहें। कलश मै रविदास जी जन्मस्थली की मिट्टी को हर गांव और हर मोहल्ला तक पहुंचने का संकल्प आम जन को दिलाया । इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष संजीव अग्रवाल 'लाला', जिला उपाध्यक्ष अभिषेक जैन, मण्डल सह-प्रभारी मंगल श्रीवास्तव,शहर मंडल अध्यक्ष विजय शिवहरे 'मोनू ', अनुराग अहिरवार सह संयोजक , सभासद / अभियान सह संयोजक सुनील विश्वकर्मा ,पार्षद मुकेश सोनी 'बंटी ', प्रियंका साहू, अरविंद झा, पंकज राय, मनोनीत सभासद पन्ना लाल प्रजापति, वरिष्ठ नेता विनीत पांडे, अमर सिद्ध, अनुराग अहिरवार, मण्डल उपाध्यक्ष विवेक नगरिया, मंडल मंत्री आकाश साहू, वीरेंद्र प्रजापति, पिंकी वर्मा, प्रशांत भार्गव एवं प्रहलाद साहू सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु ,महिला व पुरुष कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक घंटे की झमाझम बारिश में नगर के कई मोहल्लों में हुआ भारी जलभराव

जालौन-उरई। सोमवार रात से शुरू हुई रिमझिम बारिश बुधवार को झमाझम बारिश में तब्दील हो गई। लगभग एक घंटे की झमाझम बारिश में नगर के कई मोहल्लों में जलभराव हो गया। लौना रोड, रापटगंज, नया खंडेराव और चुर्खी रोड पर कई गलियां तालाब में तब्दील हो गईं। कई स्थानों पर करीब दो फीट तक पानी भर जाने से लोगों का घरों से निकलना तक मुश्किल हो गया। दिनभर बारिश का सिलसिला जारी रहने से जनजीवन प्रभावित रहा और लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। नगर में सोमवार देर रात से बारिश का सिलसिला शुरू हुआ था। मंगलवार को दिन भर रिमझिम बारिश होती रही। बुधवार की सुबह से भी आसमान में बादल छाए रहे। दोपहर करीब 12 बजे से झमाझम बारिश शुरू हो गई। लगभग एक घंटे तक हुई झमाझम बारिश के कारण नालियों का पानी उफनाकर सड़कों पर बहने लगा। लौना रोड, ापटगंज, नया खंडेराव और चुर्खी रोड पर पानी सड़कों से ऊपर बहता नजर आया। कई दोपहिया वाहन चालक पानी में गड्ढों का अंदाजा न लगा पाने के कारण फिसलते-फिसलते बचे, जबकि पैदल राहगीरों को घुटनों तक पानी में होकर निकलना पड़ा। कई घरों के बाहर पानी जमा हो गया, जिससे लोगों को जरूरी कामों के लिए भी निकलने में दिक्कत हुई। स्कूली बच्चों, नौकरीपेशा लोगों और व्यापारियों को भी परेशानी उठानी पड़ी। बाजारों में सामान्य दिनों की तुलना में भीड़ कम रही और कई दुकानदार देर से दुकानें खोल पाए। बारिश के बीच कई स्थानों पर बच्चे पानी में खेलते नजर आए, वहीं अधिकांश लोग घरों में रहकर मौसम का आनंद लेते दिखाई दिए।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718